सच्ची खबरें का मरकज़

R.N.I. No. UPHIN/2009/28569

आगाज़ टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक सामचार पत्र

वर्ष: 16 अंक: 40 | लखनऊ शुक्रवार 07 नवम्बर 2025 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: 1 रुपये

‘2017 के बाद बदला प्रदेश का चेहरा’

● यूपी: सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों को देना होगा एक-एक इंच का हिसाब, हमारे शार्गिद नहीं हैं माफिया

मुख्तार अंसारी की अवैध जमीन पर बने फ्लैट का आवंटन

लखनऊ,(एजेंसी)। सीएम ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने की कोशिश करेगा तो उसे माफ नहीं किया जा सकता। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण किया। जियामऊ, डालीबाग स्थित एकता वन में आयोजित भव्य समारोह में सीएम ने दुर्बल आय वर्ग के 72 परिवारों को फ्लैट के आवंटन पत्र वितरित किए। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह केवल आवास वितरण नहीं, बल्कि संदेश है कि माफिया से छीनी गई भूमि पर गरीबों का आशियाना बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो माफिया को शागिर्द बनाते हैं, उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं, वे गरीबों का शोषण करवाते हैं। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करके समाज को डराने-धमकाने का काम करेगा, तो लेने के देने पड़ जाएंगे। यह सरकार जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है, जहां विकास के साथ धर्म, संस्कृति और परंपरा का संगम है। मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से मुलाकात की, उन्हें गृह प्रवेश का सामान भेंट किया, नन्हीं बच्चियों को गोद में लेकर दुलार किया और चॉकलेट बांटी। इस दौरान आवास परिसर में सीएम योगी ने वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने लोगों को कार्तिक पूर्णिमा की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज लाखों श्रद्धालु गढ़मुक्तेश्वर, टिकरी, सुखतीर्थ, बदायूं प्रयागराज, काशी, अयोध्या में स्नान कर पुण्य लाभ ले रहे हैं। काशी में सायं देव दीपावली पर देवता दीप जलाएंगे। इस पावन अवसर पर लखनऊ में माफिया से मुक्त भूमि पर लाभार्थियों को आवास देना सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि इस प्राइम लोकेशन पर लखनऊ विकास प्राधिकरण ने 10.70 लाख में फ्लैट दिए, इसकी कीमत बाजार में करीब 1 करोड़ रुपये है। जिन पात्र लोगों को अभी आवास नहीं मिला है, उनके लिए नई आवासीय स्कीम लाएगी सरकार उन्होंने कहा कि 8000 आवेदनों में 5700 आवदेन योग्य लोगों का था, इसमें से 72 को पहले आवंटन मिला है। मुख्यमंत्री ने सभी 72 लाभार्थियों को आवास की सुविधा मिलने पर उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि इन लोगों को अब अपना सिर उठाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है।

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा

● कालका मेल की चपेट में आकर छह श्रद्धालुओं की मौत, सीएम व मंत्री ने जताया शोक

मिर्जापुर,(एजेंसी)। मिर्जापुर जिले में बुधवार की सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। यहां ट्रेन की चपेट में आकर छह लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद शवों के चिथड़े उड़ गए थे। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में बुधवार की सुबह दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। रेलवे स्टेशन चुनार पर बुधवार की सुबह ट्रेन से उतरकर लाइन पार करते समय कालका मेल की चपेट में आने से छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में शव क्षत-विक्षत हो गया। मौके पर पहुंचे जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने शवों को रेलवे लाइन से हटवाकर किसी तरह से शिनाख्त कराया। मौके पर अन्य अधिकारी पहुंचे। रेलवे स्टेशन चुनार पर सुबह सवा नौ बजे यात्री गोमो प्रयागराज एक्सप्रेस से उतरकर गलत दिशा से लाइन पार कर रहे थे। उसी समय प्लेटफॉर्म नंबर तीन से गुजर रहे कालका मेल की चपेट में आ गए। सभी यात्री कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने के लिए आ रहे थे। हादसे के बाद शवों को रेलवे लाइन से हटाकर शिनाख्त कराया गया। इसमें सविता (28) पत्नी राजकुमार निवासी कमरिया थाना राजगढ़, साधना (16) पुत्री विजय शंकर बिंद, शिव कुमारी (12) पुत्री विजय शंकर, अप्पू देवी (20) पुत्री श्याम प्रसाद, सुशीला देवी (60) पत्नी स्व. मोतीलाल निवासी महुआरी थाना पड़री, कलावती देवी (50) पत्नी जनार्दन यादव निवासी बसवा थाना कर्मा सोनभद्र के शवों की शिनाख्त हुई है। अब तक छह लोगों के ट्रेन से कटकर मौत की बात सामने आई है। मौके पर एएसपी आपरेशन मनीष कुमार मिश्रा जांच पड़ताल करने के लिए पहुंच गए है। सीएम योगी ने लिया हादसे का संज्ञान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिर्जापुर जिले के चुनार रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

बिहार में मतदान है और ये हरियाणा की कहानी सुना रहे: रिजिजू

नई दिल्ली,(एजेंसी)। किरेन रिजिजू ने कहा कि श्हाल ही में कांग्रेस के एक नेता ने पार्टी से इस्तीफा दिया तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का हरियाणा में तालमेल ही नहीं है तो वे कैसे जीत सकते हैं? यहां राहुल गांधी चुनाव आयोग को गाली दे रहे हैं।श राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर भाजपा ने पलटवार

किया है। भाजपा ने कहा कि चुनाव के दौरान राहुल गांधी विदेश घूमने चले जाते हैं तो जीतेंगे कहां से। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में मतदान है और ये हरियाणा चुनाव की बात कर रहे हैं। राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव में 25 लाख फर्जी वोटर पंजीकृत थे। उन्होंने कहा कि हर आठ में एक मतदाता फर्जी था। कांग्रेस नेता ने कहा कि हरियाणा में फर्जी वोटों से जनादेश चुराया गया। श्राहुल गांधी को विदेश से प्रेरणा मिलती हैश राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता किरेन रिजिजू ने कहा कि श्नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पिछले संसद सत्र में राहुल गांधी एक महिला की तस्वीर टीशर्ट पर छपवाकर घूमते रहे। उस महिला ने ही कांग्रेस पार्टी को डांटा।

हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी हुए : राहुल

● राहुल बोले- हरियाणा की तरह बिहार में ऑपरेशन सरकार चोरी, राज्य के 5 लोगों को मंच पर बुलाया, सभी बोले- हमारे नाम वोटर लिस्ट से काटे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने एक मतदाता का उदाहरण देते हुए कहा कि डालचंद नामक व्यक्ति यूपी में भी वोटर हैं, हरियाणा में भी वोटर है। उनका बेटा भी हरियाणा में भी वोटर है, यूपी में भी वोट करता है। ऐसे हजारों की तादाद में लोग हैं। मथुरा के सरपंच प्रहलाद का नाम भी हरियाणा में कई जगह वोटर लिस्ट में है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने वोट चोरी के अपने आरोप दोहराए और अपने दावे के पक्ष में बातें बताईं। राहुल गांधी ने मतदाताओं के फर्जी फोटो और फर्जी मकान के पतों पर सवाल उठाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या-क्या हुआ, सिलसिलेवार ढंग से जानें राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में कई राज्यों के एग्जिट पोल दिखाए। उन्होंने इनके जरिए कहा कि हरियाणा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में वोट चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एग्जिट पोल में कांग्रेस की जीत दिखाई गई। और भी कई जगहों पर ऐसे ही नतीजे पेश किए गए। लेकिन हमें बाद में वोट चोरी की शिकायतें मिलीं। राहुल ने एक महिला की तस्वीर दिखा कर कहा कि हरियाणा में एक महिला ने अलग-अलग नाम से 10 जगह 22 बार वोट डाला। उन्होंने दावा किया कि यह महिला एक ब्राजील की मॉडल है। उसने स्वीटी, विमला, सरस्वती आदि नाम से वोट डाला। उन्होंने कहा कि ये बूथ स्तर पर नहीं हो रहा है। ये सेंट्रलाइज ऑपरेशन है। राहुल गांधी ने कहा कि श्हमारे पास श्श्श फाइल्स हैं और यह इस बारे में है कि कैसे एक पूरा राज्य चुरा लिया गया है। हमें शक है कि यह सिर्फ अलग-अलग सीटों पर नहीं हो रहा है, बल्कि राज्य और नेशनल लेवल पर हो रहा है। हमें हरियाणा में अपने उम्मीदवारों से बहुत सारी शिकायतें मिलीं कि कुछ गड़बड़ है। हमने ऐसा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में भी अनुभव किया था, लेकिन हमने हरियाणा पर फोकस किया कि वहां क्या हुआ था, उसकी पूरी जानकारी लेने का फैसला किया।श राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हरियाणा में हर आठ में से एक वोटर नकली है। उन्होंने कहा कि नकली फोटो वाले हरियाणा में एक लाख से ज्यादा मतदाता हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी हुए। राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कई मतदाताओं के मकान नंबर शून्य होने पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया।

न्यूयॉर्क मेयर पद का चुनाव जीतने के बाद ममदानी ने किया पंडित नेहरू का जिक्र

न्यूयॉर्क,(एजेंसी)। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को चुनौती देते हुए कहा, ‘‘तो डोनाल्ड ट्रंप, मुझे पता है आप देख रहे हैं। मेरे पास आपके लिए चार शब्द हैं- वॉल्यूम बढ़ा दो।’’ अमेरिका के सबसे अहम मेट्रो शहरों में से एक न्यूयॉर्क में डेमोक्रेटिक पार्टी

के जोहरान ममदानी ने मेयर पद का चुनाव जीत लिया है। इसके बाद उन्होंने बुधवार को ही जनता को संबोधित किया। इस दौरान ममदानी ने न सिर्फ भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भारत की आजादी के बाद उनके पहले भाषण- ट्रिस्ट विद डेस्टिनी का जिक्र किया, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर चुनौती भी दी। जब नेहरू के जिक्र से तालियों से गूंज उठा समारोह स्थल ममदानी ने अपनी ऐतिहासिक जीत को राजनीतिक वंश का अंत बताया और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का भी जिक्र किया। उन्होंने पंडित नेहरू के ट्रिस्ट विद डेस्टिनी भाषण के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, ‘‘आज मैं आपके सामने खड़ा हूं और मुझे जवाहरलाल नेहरू के शब्द याद आ रहे हैं। एक क्षण आता है, जो इतिहास में बहुत कम आता है, जब हम पुराने से नए में प्रवेश करते हैं। आज रात, हमने पुराने से नए में कदम रखा है।’’

‘अंग्रेजों का नहीं अब मोदी का साम्राज्य’

● यहां अडाणी-अंबानी का कर्ज माफ होता है,किसानों का नहीं, बीजेपी वाले आपको घुसपैठिया बता रहे

बेतिया,(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बिहार के बेतिया के चनपटिया पहुंची हैं। उन्होंने सभा में कहा कि, 20 साल में सरकार ने बस आपको संघर्ष करने की आदत डलवाई है। चंपारण की धरती से ही आजादी के आंदोलन की शुरुआत हुई। यहां के किसानों की आवाज महात्मा गांधी तक पहुंची और वो यहां तक आए। आज अंग्रेजों का नहीं मोदी का साम्राज्य है। इस राज में सब कुछ मंहगा हो गया है। मोदी साम्राज्य में किसान कर्ज लेता है और ब्याज चुकाते-चुकाते उसकी कमर टूट जाती है। आपका कर्ज कभी माफ नहीं होता, लेकिन अंबानी-अडाणी का लाखों करोड़ों का कर्ज माफ हो जाते है। देश के प्रधानमंत्री बिहार के सीएम को अपने मंच पर नहीं लाते हैं। दूसरी पार्टी पर सवाल उठाते हैं। वो कहते हैं कि, कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी की तस्वीर छोटी है। उन्हें देश की नहीं राहुल गांधी और तेजस्वी के भविष्य की चिंता है। चनपटिया में माला पहनाकर प्रियंका गांधी का स्वागत किया गया। प्रियंका गांधी पश्चिम चंपारण के चनपटिया में दूसरी सभा की मकान सिंह, खदान सिंह, ठेकेदार सिंह आपको लूट रहे मंच से नेताओं ने कहा कि, बीजेपी विधायक मकान सिंह ने चनपटिया को लूटा है। इस पर प्रियंका गांधी ने हंसते हुए कहा कि कैसे-कैसे नाम हैं। मकान सिंह। जैसा नाम, वैसा काम। लोगों को लूट-लूटकर अपने मकान बना रहे हैं। बिहार में पता नहीं कितने मकान सिंह, खदान सिंह और ठेकेदार सिंह होंगे जो आपको लूट रहे हैं। ऐसी सरकार को बदलने का वक्त आ गया है। प्रियंका ने युवक को मंच पर बुलाया, समस्या सुनी सभा के दौरान एक युवक प्रियंका गांधी को अपनी समस्या बताना चाहता था।

एक करोड़ नौकरी-रोजगार देगी हमारी सरकार: नीतीश

किशनगंज,(एजेंसी)। किशनगंज के ठाकुरगंज में ब्ड नीतीश कुमार चुनावी सभा कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि, लालू-राबड़ी सरकार में काम नहीं हुआ। नीतीश कुमार ने आगे कहा, श पहले

की सरकार ने काम नहीं किया। हमारी सरकार आई तो हमने बिहार में बेहतर सड़कों का निर्माण कराया। पहले वाली स्थिति में बहुत बुरा हाल था। लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलता था। अब बच्चा, लड़का, लड़की आराम से घूमते हैं। हम भी अपने इलाके में जाते थे तो देखते थे सब बंद रहता था। पहले फालतू सरकार थी। हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। पढ़ाई की व्यवस्था नहीं थी, इलाज की व्यवस्था नहीं थी। सड़कें नहीं थीं। बिजली नहीं थी। हमारी सरकार आई तो हमने सभी के हित में काम किया।श 10 लाख नौकरी दी, 1 करोड़ का लक्ष्य रोजगार के मुद्दे पर नीतीश कुमार ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि हमने 2020 में 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार का वादा किया था।

पहले मौत दौड़ती थी, अब दौड़ रही मेट्रो ट्रेन

● बांका में राजनाथ सिंह बोले-राजद हर बार नौकरी देने का वादा करती है, पूरा नहीं करती

पटना,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बांका में आज चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि, शबिहार का भविष्य तय करने का समय आ गया है। जिसका दामन साफ होगा, वहीं बिहार को विकसित राज्य बना सकता है। अब फैसला जनता को करना है कि वह बिहार को विकास के रास्ते पर ले जाना चाहती है या फिर जंगलराज की ओर।श रक्षा सिंह ने विपक्ष पर झूठे वादों का आरोप लगाते हुए कहा कि श्राजद सरकार हर बार नौकरी देने का वादा करती है, लेकिन उसे कभी पूरा नहीं करती। बिहार अब बदल चुका है, जनता विकास की बात करती है, धमकी की नहीं। पटना में पहले मौत दौड़ती थी, अब मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगी है।श साथ ही रक्षा मंत्री ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवादियों ने भारत में लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा। लेकिन हमने धर्म नहीं, कर्म देखकर ही मारा। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ऐसा देश है, जहां औरतें चींटी भी नहीं मारती, बल्कि उसके लिए अलग से आटा निकाल देती है। केंद्रीय मंत्री और श्रक्न नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने उनकी टिप्पणी को लेकर थ्त दर्ज होने पर कहा, श्चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है। हम सब चुनाव आयोग का सम्मान करते हैं। जिस वीडियो की बात हो रही है उसे अगर कोई पूरा सुनेगा तो पता चलेगा कि राजद ने जो ट्वीट किया है वो भ्रामक है। जिस गांव का ये वीडियो है, वहां राजद के एक दबंग नेता रहते हैं वो गरीबों को डरा धमका कर बूथ पर जाने नहीं देते। मैंने यही कहा है कि अगर ये नेता गरीबों को डराएं तो गांव के लोग उनको घेरकर बंद कीजिए। अगर वो मतदान के लिए जाना चाहें तो मतदान केंद्र पर मतदान कराके उन्हें फिर से घर पर रहने के लिए मजबूर कीजिए। गरीबों को धमका कर कोई वोट नहीं ले सकता।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

2

लखनऊ शुक्रवार, 07 नवम्बर 2025

मेडिकल कॉलेज के 4 इंटर्न डॉक्टर निलंबित,कृषि विश्वविद्यालय के तीन छात्रों को बेरहमी से पीटा था

बांदासंवाददाता। जिले के रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों से मारपीट के मामले में चार इंटर्न डॉक्टरों को 15 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। कॉलेज प्रशासन ने प्रारंभिक जांच में उन्हें दोषी पाया है। इस घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। संभल निवासी कृषि विश्वविद्यालय के एमएससी छात्र नितिन यादव ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि शनिवार को सीढ़ी से गिरने के कारण उनके पैर में चोट लग गई थी। वे अपने साथियों फतेहपुर के विधू भूषण और सहारनपुर के दीपक के साथ शनिवार रात रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी विभाग में इलाज कराने गए थे। वहां उन्होंने ड्यूटी पर तैनात इंटर्न डॉ. अमन को अपनी चोट दिखाई और इलाज करने को कहा। आरोप है कि इस पर डॉक्टर ने उन्हें ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में चलने को कहा, जिस पर दोनों के बीच बहस हो गई। कहासुनी बढ़ने पर डॉ. अमन यादव के समर्थन में इंटर्न डॉ. अंकुर, डॉ. प्रांजल और डॉ. रितम भी आ गए। आरोप है कि इन डॉक्टरों ने नितिन के साथ मारपीट की, हॉस्टल में रहने वाले लगभग

मारपीट में नितिन का सिर फट है। कृषि विश्वविद्यालय के छात्र नितिन यादव की तहरीर पर चारों डॉक्टरों समेत 40 अज्ञात एमबीबीएस छात्रों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, मुख्य आरोपी डॉक्टर की तहरीर पर कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ भी अभद्रता और मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। डॉक्टर के अनुसार, नितिन यादव और उनके साथियों ने इलाज के दौरान अभद्रता की थी, जिससे बात बढ़ गई। जिसमें बीच–बचाव करने आए विधू भूषण और दीपक भी घायल हो गए। डॉक्टरों की सूचना पर 40–50 अन्य छात्र भी मौके पर पहुंच गए और तीनों कृषि छात्रों को बुरी तरह पीटा। इस गया और वह लहूलुहान हो गए। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ

अस्पताल में महिला से लॉकेट चोरी,आरोपी गिरफ्तार

बांदासंवाददाता। पुलिस ने जिला अस्पताल में एक महिला के गले से लॉकेट चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद को महिला का रिश्तेदार बताकर इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। यह घटना 3 नवंबर 2025 को हुई थी। थाना तिंदवारी निवासी रविकरन ने कोतवाली नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल बांदा में अपनी पत्नी के इलाज के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पत्नी के गले से एक लॉकेट और दो छोटी मूंगी चुरा लीं। सूचना मिलने के बाद कोतवाली नगर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की। इसके बाद उसे थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के मां शारदा पैलेस, बबेरू रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बच्चा उर्फ भोले पुत्र गज्जा प्रसाद उर्फ गजराज, निवासी बिजली खेड़ा, थाना कोतवाली नगर, जनपद बांदा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से चोरी किया गया एक पीली धातु का लॉकेट और दो छोटे पीली धातु के दाने बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी बच्चा उर्फ भोले का आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर पहले भी चोरी और मादक पदार्थों की बिक्री से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ थाना कोतवाली नगर, बांदा में केस दर्ज किया गया है। उसके आपराधिक रिकॉर्ड में एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम के तहत भी मामले शामिल हैं।

डाबर देव मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा मेला शुरू,उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

बांदासंवाददाता। अतर्रा तहसील के पुनाहुर गांव स्थित प्राचीन डाबर देव मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा की रात 12 बजे से दस दिवसीय मेला शुरू हो गया है। इस मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। चंदेल काल से चली आ रही परंपरा के अनुसार, डाबर देव को पांच गांवों का खेरापति देवता माना जाता है। यह मंदिर क्षेत्र में गहरी आस्था का केंद्र है। मंगलवार रात 12 बजे से ही मंदिर में भक्तों का आना शुरू हो गया था। श्रद्धालु जमीन पर लेटकर परिक्रमा करते हुए जयकारों के साथ मंदिर पहुंच रहे हैं। मनोकामना पूरी होने पर भक्त बैंड–बाजा, घोड़े और सवा मन लड्डू चढ़ाकर प्रसाद वितरित कर रहे हैं। बुधवार सुबह से मेले में रौनक बढ़ गई है। दूर–दराज से आए दुकानदारों ने झूले और विभिन्न प्रकार की दुकानें सजाई हैं, जिससे मेले का माहौल जीवंत हो उठा है। मंदिर की देखरेख कर रहे कामता और मनोज ने बताया कि पुनाहुर के अलावा बिसंडा, थनैल, गड़ाव, आऊ, अतर्रा, नरैनी, बबेरू और मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। मेले के दौरान तीन दिवसीय दंगल का भी आयोजन किया जाएगा।हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण कभी गजेटियर में दर्ज यह ऐतिहासिक मेला अब अपनी पुरानी रौनक खोता जा रहा है।

खौलती चाय में गिरा बच्चा गंभीर रूप से झुलसा

बांदासंवाददाता। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के मंझीवा गांव में बुधवार दोपहर एक तीन वर्षीय बच्चा खौलती चाय में गिरकर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बबेरू में भर्ती कराया है। बच्चे की पहचान संजय, पुत्र नीलू, उम्र 3 वर्ष के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब उसकी मां घर में चाय बना रही थी और बच्चा खेलते हुए अचानक खौलती चाय के बर्तन में गिर गया। हादसे के बाद परिजनों ने तुरंत बच्चे को सीएचसी बबेरू पहुंचाया, जहां डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सपा की पीडीए साइकिल यात्रा, पूर्व सांसद ने यात्रा को दिखाई हरी झंडी

बांदासंवाददाता। बदौसा में समाजवादी पार्टी की पीडीए साइकिल यात्रा का नरैनी विधानसभा के बदौसा क्षेत्र के बंगाली पुरवा से शुभारंभ हुआ। पूर्व सांसद बालकुमार पटेल ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस साइकिल यात्रा की अगुवाई समाजवादी पार्टी बांदा के जिला सचिव आलोक यादव कर रहे हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नरैनी विधानसभा अध्यक्ष मुन्ना सिंह पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वर्मा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नरैनी सत्यनारायण सोनकर, सुमन दिवाकर, अवधा पटेल, राजा भैया यादव, राजबहादुर कुशवाहा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व ब्लॉक प्रमुख सत्यनारायण सोनकर ने साइकिल यात्रियों को माला पहनाई। विधानसभा अध्यक्ष मुन्ना सिंह पटेल और पूर्व सांसद बालकुमार पटेल ने समाजवादी पार्टी का झंडा दिखाकर यात्रा को आगे बढ़ाया। यह साइकिल यात्रा बंगाली पुरवा से शुरू होकर बदौसा, निजामीनगर दुबरिया, उसरापुरवा, हल्दीपुरवा, तरसुमा, पचपेड़िया और बघेलवारी जैसे क्षेत्रों से गुजरेगी। इस अवसर पर सपा जिला सचिव आलोक यादव ने यात्रा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

नोएडा भंगेल एलिवेटड पूरी, पुलिया चौड़ी कर दूर करेंगे बॉटलनेक

उदघाटन से ठीक पहले प्राधिकरण को आई याद

नोएडासंवाददाता। नोएडा में दादरी–सूरजपुर–छलेरा (डीएससी) रोड पर एलिवेटेड बनकर तैयार है। ये एलिवेटेड सेक्टर–41 अगाहपुर से फेज–2 गंदे नाले तक है। नाले पर सड़क कम चौड़ी है। जाहिर है शुभारंभ के साथ नाले के पास बॉटलनेक बन सकता है। इसलिए इस नाले पर बनी पुलिया को चौड़ा किया जाएगा। एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि पुलिया को चौड़ा करने के लिए सिचाई विभाग को पत्र लिखा जा रहा है। चौड़ाई वो बढ़ा देंगे और खर्च प्राधिकरण करेगा।

उन्होंने बताया कि इससे और ट्रैफिक बेहतर हो जाएगा। हालांकि उद्घाटन से ठीक पहले नोएडा प्राधिकरण को इसकी याद आई। एलिवेटेड का निर्माण करीब 608 करोड़ में किया गया। इसकी कुल लंबाई 4.5 किमी है। दो महीने से ये रोड़ बनकर तैयार है। प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम इस प्रयास में है कि सीएम योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करे। इसको लेकर शासन स्तर पर बातचीत की जाएगी। अगर समय मिलता है तो इसका लोगों की सहुलियत को देखते हुए इसे पहले खोला जा सकता है। इस एलिवेटेड का काम जून 2020 में शुरू किया गया था। एलिवेटेड के प्रत्येक कर्व पर कवरिंग शीट भी लगाई जाएगी। रोड पर दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इस एलिवेटेड रोड के लिए सेक्टर–49–107 चौराहे पर दोनों ओर दो–दो लूप बनाया जाना प्रस्तावित है। सेक्टर–37 से आकर सेवन एक्स सेक्टरों की ओर जाने के लिए हनुमान मूर्ति के पास लूप उतरेगा। इसी तरह सेवन एक्स से फेज टू की ओर से सूरजपुर की ओर जाने वालों के लिए लूप चढ़ाया जाएगा। इसके दूसरी तरफ सेक्टर–107 की ओर चढ़ने–उतरने के लिए लूप बनाए जाएंगे।

विधायक गौरीशंकर वर्मा ने घर–घर जानी जनसमस्या

उरई/जालौनसंवाददाता। जालौन की जनता की समस्याओं को नजदीक से जानने

और उनके समाधान की दिशा में कदम उठाने के उद्देश्य से उरई विधायक गौरीशंकर वर्मा बुधवार को सड़कों पर उतर आए। उन्होंने शहर के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बजरिया में करीब पांच किलोमीटर तक पैदल भ्रमण कर जनसमस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या पेयजल आपूर्ति की सामने आई। लोगों ने विधायक से बताया कि मोहल्ले में कई दिनों से पानी की किल्लत बनी हुई है। इस पर विधायक ने मौके पर ही जलसंस्थान के अधिकारियों को बुलाकर निर्देश दिए कि समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ और पर्याप्त पानी मिल सके। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था की स्थिति का भी उन्होंने निरीक्षण किया। जहां सफाई कार्य संतोषजनक पाया गया, वहां मौजूद सफाई कर्मियों को उन्होंने फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि जो कर्मचारी ईमानदारी से जनता की सेवा कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा, वहीं लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान व्यापारियों ने मुख्य बाजार में सार्वजनिक शौचालय की मांग रखी। उन्होंने बताया कि बाजार क्षेत्र में शौचालय न होने से आम जनता और दुकानदारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। विधायक ने उनकी मांग को उचित बताते हुए आश्वासन दिया कि जल्द ही नगर पालिका के माध्यम से शौचालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की सुविधा और क्षेत्र का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि वे शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका और जलसंस्थान के अधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

पंचनद संगम पर उमड़ा आस्था का सैलाब,हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई पवित्र डुबकी

उरई/जालौनसंवाददाता। जालौन में यमुना, चंबल, सिंध, पहूंज और कुवारी नदियों के संगम स्थल पंचनद पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आस्था का विशाल सैलाब उमड़ पड़ा। मंगलवार देर रात से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था, जो बुधवार सुबह तक चरम पर पहुंच गया। करीब 30 से 40 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद दीपदान किया और भगवान कालेश्वर महादेव के दर्शन कर मनोकामनाएं मांगी। पवित्र स्नान के बाद कुवारी कन्याओं ने सुंदर वर की कामना करते हुए दीप प्रवाहित किए, वहीं विवाहित महिलाओं ने अपने पतियों की दीर्घायु के लिए बाबा कालेश्वर से आशीर्वाद मांगा। मान्यता है कि पंचनद संगम पर स्नान करने से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है और यमराज के कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस अवसर पर संगम तट पर आयोजित पारंपरिक यमुना आरती ने माहौल को और अधिक भक्ति भाव से भर दिया। आरती का आयोजन मंगलवार देर शाम हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आरती का नेतृत्व मंदिर के महंत सुमेरवन ने किया। पचनद संगम पर माधौगढ़ विधायक मूलचंद सिंह निरंजन, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती उर्विजा दीक्षित, पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश तिवारी, ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह सेंगर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के प्रतिनिधि अरविंद सिंह चौहान ने मंगलवार की देर रात को यमुना आरती की, साथ ही सभी की मंगल कामना की प्रार्थना की। इसी के साथ श्रद्धालुओं ने कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान शुरू कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

लालगंज गुरुद्वारा में गुरु नानक देव जी का556वां प्रकाश पर्व लंगर के साथ हुआ संपन्न

लालगंज रायबरेली। सिखों के धार्मिक गुरु श्री नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व लालगंज के गुरुद्वारा में बड़े ही श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री नानक देव जी के अनुयायियों ने भजन कीर्तन से संगत में भाग लिया। गुरुद्वारा

कमेटी के अध्यक्ष सरदार सेवा सिंह ने कहा कि श्री नानक देव जी का प्रकाश पर्व सिख धर्म का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व है। यह पर्व गुरु नानक देव जी की जयंती के रूप में मनाया जाता है, जो कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को पड़ता है। सरदार सतपाल सिंह ने कहा कि गुरुद्वारों में गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ किया गया। शबद कीर्तन हुआ। संजय चड्ढा ने बताया कि लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सभी धर्म संप्रदाय के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सरदार कुक्की सिंह ने कहा कि यह पर्व समानता, भाईचारा, और सेवा भावना को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है । इस अवसर पर सरदार सेवा सिंह, सरदार सतपाल सिंह, संजय चढ़ा, सरदार तरन सिंह, डॉक्टरओपी सिंह, उमेश श्रीवास्तव ,अनूप बाजपेई, सुशीलशुक्ला,अशोक शुक्ला एडवोकेट, अमरजीत सिंह ,जगजीत सिंह, रुद्रांश चड्ढा, बलबीर सिंह, अमरजीत सिंह, अमनदीप सिंह, कुक्की सरदार, राजवीर सिंह आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

चंदन त्रिवेदी के द्वारा रिटायर्ड दरोगा प्रेम शंकर शुक्ला को भेंट की गई रामायण

लालगंजरायबरेली। 101 रामचरितमानस वितरण के क्रम में श्री रामचन्द्र जी की कृपा से समाजसेवी चंदन त्रिवेदी ने गावँ के वरिष्ठ सदस्य पूर्व सब इंस्पेक्टर रेलवे सुरक्षा बल प्रेम शंकर

शुक्ला को रामचरितमानस भेंट की ।सनातन से जुड़े इस कार्य की सराहना करते हुए देवेन्द्र मोहन त्रिपाठी ने कहा कि यह ग्रन्थ श्री राम को एक आदर्श राजा और व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत करता है, जो धर्म, कर्तव्य और आचरण का पालन करते हैं। उल्लेखनीय है कि ऐहार गांव निवासी समाजसेवी और भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष चंदन त्रिवेदी जहां गांव के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव अग्रसर रहते हैं वहीं सनातन संस्कृति के रूप में कार्य करते हुए लोगों को भगवान श्री राम की अलौकिक लीलाओं का धार्मिक ग्रंथ रामायण भी भेंट करने का सुंदर कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर सधोले शुक्ला, मोनू मिश्रा, पंडित झिलमिल जी महाराज, राजकिशोर पांडेय, राजेश शुक्ला, संतोष शुक्ला, रज्जन शुक्ला सहित अन्य राम भक्त मौजूद रहे । सभी ने निरन्तर कई महीनों से चल रहे सनातन धर्म के प्रचार प्रसार की सराहना की।

सामाजिक सरोकार एवं महिला सशक्तीकरण फेस 5.0 के अंतर्गत विघटित परिवारों को पुनर्मिलन कराके अपनी सार्थकता सिद्ध करता मध्यस्थता केंद्र कोतवाली आंवला।

संवाददाता। बरेली। आज दिनांक 05.11.2025 को गंगा स्नान के बाबजूद सम्मानित सलाहकारों द्वारा तीन विघटित परिवारों को पुनर्मिलन कराके अपनी सार्थकता और सामाजिक दायित्वों के प्रति समर्पणता सिद्ध करके अबतक 124 पंजीकृत पारिवारिक विवादों में से 80 परिवारों को विघटित होने से बचा लिया शेष 44 विवाद विचाराधीन हैं। यह सम्भव हो पाया है विद्वानों सलाहकारों और पुलिस कर्मियों के आपसी सहयोग एवं सामंजस्य से सार्थक परिणाम प्राप्त हुए हैं जिसके कारण जनपद में केन्द्र प्रथम स्थान पर है।

युवक ने खुद को गोली मारकर की सुसाइड

उरई/जालौनसंवाददाता। जालौन जनपद के डकोर कोतवाली क्षेत्र में एक 30 वर्षीय युवक ने तमंचे से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद घर में अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान डकोर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुठौंदा के रहने वाली रामपाल (30) पुत्र बहादुर के रूप में हुई है। वह झांसी जनपद के एरच में एक प्लांट में काम करता था। बताया जा रहा है कि रामपाल शराब का सेवन भी करता था। मंगलवार रात जब परिवार के सभी सदस्य पड़ोस में एक त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे, तब रामपाल घर में अकेला था। इसी दौरान उसने 315 बोर के तमंचे से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जहां रामपाल फर्श पर खून से लथपथ पड़ा मिला। सूचना पर डकोर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय पांडेय पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके से तमंचा बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया। मृतक रामपाल अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चे छोड़ गया है। घटना के बाद परिजनों का बुरा हाल है।

ग्रेटर नोएडा में दो बाइकों की टक्कर,युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

नोएडासंवाददाता। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र में बुलेट और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बुलेट सवार बुलंदशहर के दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

3

लखनऊ शुक्रवार, 07 नवम्बर 2025

वो 5 पारियां जिन्होंने बनाया विराट कोहली को किंग

जब अकेले दम पर जीत लिया हर दिल

नई दिल्ली। विराट कोहली की ये पांच पारियां सिर्फ स्कोरकार्ड पर दर्ज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की भावनाओं की गाथा हैं। वो बल्लेबाज जिसने मुश्किल पलों में जीत की उम्मीदें हमेशा जिंदा रखीं। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में विराट कोहली वो नाम है जो सिर्फ एक बल्लेबाज नहीं, बल्कि एक युग की पहचान बन गया। आज विराट अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। दो दशक के करीब के करियर में उन्होंने 27,000 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाए और 82 शतक जड़े। यह आंकड़े उनके समर्पण और क्लास को बयां करते हैं। कोहली को रन मशीन यूं ही नहीं कहा जाता। जब टीम मुश्किल में होती है, तब विराट का बल्ला सबसे ज्यादा बोलता है। आइए नजर डालते हैं उनकी पांच सबसे यादगार पारियों पर, जो हमेशा क्रिकेट फैंस के दिलों में दर्ज रहेंगी। 1. 82 रन अे पाकिस्तान, टी20 विश्व कप 2022 (मेलबर्न) तारीखरू 23 अक्तूबर 2022 इस पारी को एक शविराट' चमत्कारश भी कहा जाता है। टी20 विश्व कप 2022 का मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच किसी फाइनल से कम नहीं था। भारत का स्कोर था– 31 पर 4 विकेट, और जीत की उम्मीद लगभग खत्म। लेकिन विराट ने जो किया, वो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। उन्होंने 53 गेंदों में नाबाद 82 रन बनाए और भारत को असंभव जीत दिलाई। उनके दो छक्के, खासकर हारिस रऊफ पर लगाया गया बैकफुट छक्का आज भी हर फैन की जुबां पर है। यह पारी सिर्फ रन नहीं, बल्कि हिम्मत और भरोसे का प्रतीक बन गई। 2. 141 रन अे ऑस्ट्रेलिया, एडिलेड टेस्ट 2014 तारीखरू दिसंबर 2014 कोहली की सबसे भावनात्मक और जुझारू पारियों में से एक, जिसने हार में भी जीत का अहसास दिया। 364 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को एक हीरो की जरूरत थी और कोहली ने 175 गेंदों में 141 रन ठोक दिए। हालांकि भारत यह मैच 48 रन से हार गया, लेकिन उस दिन कोहली ने दुनिया को दिखा दिया कि वह सिर्फ सीमित ओवरों का बल्लेबाज नहीं, बल्कि टेस्ट में भी किंग हैं। यह पारी उनके कप्तान बनने के बाद की शुरुआती झलक थी। एक आक्रामक, निडर और आत्मविश्वासी विराट कोहली की झलक। 3. 133 रन अे श्रीलंका, होबार्ट 2012 (कॉमनवेल्थ बैंक ट्राई सीरीज) तारीखरू 28 फरवरी 2012 इसी मैच से चेज मास्टर की शुरुआत हुई। भारत को 40 ओवरों में 321 रन का लक्ष्य मिला था, एक नामुमकिन सा दिखने वाला टारगेट। लेकिन विराट ने श्रीलंका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और सिर्फ 86 गेंदों में 133 नाबाद रन ठोके। उनकी बल्लेबाजी में जो आत्मविश्वास था, उसने उस दिन चेज मास्टर कोहली का जन्म कर दिया। भारत ने यह मैच 36.4 ओवरों में जीत लिया, और कोहली रातोंरात हर भारतीय की धड़कन बन गए। 4. 100 रन (52 गेंदें) अे ऑस्ट्रेलिया, जयपुर तारीखरू 16 अक्तूबर 2013 ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 359 रन का विशाल लक्ष्य दिया।

विराट कोहली का जन्मदिन: शतकों के शिखर से विश्व विजेता बनने तक

नई दिल्ली। कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन वनडे में अब भी उनका जलवा बरकरार है। कोहली सिर्फ एक बल्लेबाज नहीं, बल्कि आधुनिक भारतीय क्रिकेट की पहचान हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और आधुनिक दौर के महान बल्लेबाज विराट कोहली आज (पांच नवंबर) अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। दो दशक के करीब लंबे करियर में कोहली ने ऐसे कई कीर्तिमान रचे हैं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में भारत को खिताबी जीत दिलाने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया, लेकिन वनडे में अब भी भारत की ताकत बने हुए हैं। इसी साल टेस्ट को भी उन्होंने अलविदा कह दिया। उनके नाम पर रन, शतक और जोश, तीनों का संगम देखने को मिलता है। वनडे में सबसे तेज 13,000 रन विराट कोहली ने 10 सितंबर 2023 को पाकिस्तान के खिलाफ अपने करियर का एक और बड़ा मुकाम हासिल किया। उन्होंने सिर्फ 278वें वनडे मैच में 13,000 रन पूरे किए, और ऐसा करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। इस रिकॉर्ड में उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 321 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वनडे में सबसे ज्यादा शतक दृ 50 विराट कोहली के नाम वनडे में सबसे ज्यादा शतक (50) जड़ने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2023 विश्व कप के दौरान सचिन तेंदुलकर (49 शतक) को पीछे छोड़ा और इस फॉर्मेट में शतकों का अर्धशतक पूरा करने वाले पहले बल्लेबाज बने। अब तक कोहली ने 305 वनडे मैचों में 14,255 रन बनाए हैं, औसत 57.71 का रहा है, जो उनकी निरंतरता की मिसाल है।

जलज सक्सेना की अधूरी दास्तां

घरेलू क्रिकेट का बादशाह! मेहनत जिसकी मिसाल बनीय पर भारत के लिए डेब्यू अब भी सपना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जो रिकॉर्ड बुक्स में तो अमर हैं, लेकिन भारतीय टीम की जर्सी उन्हें कभी नसीब नहीं हुई। फिर भी, उन्होंने खेल को वही सम्मान दिया, जो एक साधक अपनी साधना को देता है। यही हैं श्अमोल मजूमदार क्लबश के असली सदस्य जिन्होंने मेहनत को मकाम बनाया, भले ही मौका कभी नहीं मिला। भारतीय महिला टीम की ऐतिहासिक विश्वकप जीत के साथ अमोल मजूमदार सभी के चहीते बन गए। खुद कभी नीली जर्सी को तरसे मजूमदार ने वो कर दिखाया जो शायद भारत के लिए खेलने वाले भी नहीं कर पाए। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम न सिर्फ फाइनल में पहुंची बल्कि

खिताब जीतकर 52 साल से महिला क्रिकेट में चले आ रहे विश्वकप के सूखे को भी खत्म कर दिया। हम यहां आज ऐसे ही खिलाड़ियों की चर्चा करेंगे जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई लेकिन उन्हें कभी भारत की जर्सी पहनने का मौका नहीं मिला। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जो रिकॉर्ड बुक्स में तो अमर हैं, लेकिन भारतीय टीम की जर्सी उन्हें कभी नसीब नहीं हुई। फिर भी, उन्होंने खेल को वही सम्मान दिया, जो एक साधक अपनी साधना को देता है। यही हैं श्अमोल मजूमदार क्लबश के असली सदस्य जिन्होंने मेहनत को मकाम बनाया, भले ही मौका कभी नहीं मिला। इस क्लब की शुरुआत का प्रतीक माने जाते हैं अमोल मजूमदार, जिन्होंने हमें सिखाया कि सफलता केवल कैप से नहीं, चरित्र से मापी जाती है। उन्होंने इंतजार को तपस्या में बदला और उस दौर के हर घरेलू क्रिकेटर के लिए प्रेरणा बने। राजेंद्र गोयल 750 रणजी विकेट लेने वाले राजेंद्र गोयल भारतीय क्रिकेट का सबसे बड़ा श्अगरश हैं। अगर उनका जन्म कुछ साल बाद हुआ होता या अगर बेदी–प्रसन्ना का दौर न होता, तो शायद भारत को एक और बाएं हाथ का जादूगर मिल जाता। लेकिन गोयल ने शिकायत नहीं की, बस विकेट लेते रहे। पद्माकर शिवलकर मुंबई की मिट्टी के वो बाएं हाथ के कलाकार, जिन्होंने रणजी मैदानों को कविता बना दिया। उनकी गेंदबाजी कला थी, पर समय ने उनके सामने बेदी और प्रसन्ना की दीवार खड़ी कर दी। शिवलकर का नाम आज भी मुंबई के क्रिकेट की मिट्टी में घुला है, जैसे कोई गुमनाम राग जो खत्म नहीं होता, बस सुनाई देना बंद हो गया है।

कोई भी व्यक्ति संस्थान से बड़ा नहीं, मेहली मिस्त्री ने टाटा ट्रस्ट से अलग होने का किया एलान

नई दिल्ली। मेहली मिस्त्री ने रतन टाटा के आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता का हवाला देकर टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। उन्होंने ट्रस्ट के सदस्यों को एक पत्र भी लिखा है। टाटा ट्रस्ट में मेहली मिस्त्री की ट्रस्टी पद को लेकर चल रही अटकलों पर मंगलवार को विराम लग गया। सूत्रों के मुताबिक, मेहली मिस्त्री ने आधिकारिक रूप से टाटा समूह से अलग होने का फैसला कर लिया है। टस्ट्र के सदस्यों को लिखे पत्र में मिस्त्री ने लिखा कि कोई भी व्यक्ति उस संस्थान से बड़ा नहीं है जिसकी वह सेवा करता है। मिस्त्री ने टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों को लिखे पत्र में तीन प्रमुख ट्रस्टों सर रतन टाटा, सर दोराबजी टाटा और बाई हीराबाई जे.एन. टाटा नवसारी चौरिटेबल इंस्टीट्यूशन ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में पद छोड़ने की घोषणा की है। मेहली मिस्त्री ने पत्र में लिखा कि, ट्रस्टी के रूप में सेवा करना उनके लिए सौभाग्य रहा है। यह अवसर उन्हें दिवंगत रतन एन टाटा के व्यक्तिगत समर्थन से मिला, जिन्हें उन्होंने अपना सबसे प्रिय मित्र और मार्गदर्शक बताया। मुंबई लौटने पर मुझे मेरे ट्रस्टीत्व से जुड़ी हालिया रिपोर्टिंग के बारे में पता चला। ऐसे में मेरा पत्र ऐसी अटकलों पर विराम लगाने में सहायक होगा जो टाटा ट्रस्ट के हितों की पूर्ति नहीं करतीं और उसके दृष्टिकोण के विपरीत हैं। मिस्त्री ने लिखा, टाटा ट्रस्ट के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए मैं नैतिक शासन, शांत परोपकार और सर्वोच्च निष्ठा के उनके दृष्टिकोण से प्रेरित रहा हूं। मिस्त्री ने बताया, मैंने 28 अक्तूबर, 2025 तक ट्रस्टी के रूप में कार्य किया है। उन्होंने कहा कि रतन एन. टाटा की सोच के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में यह जिम्मेदारी भी शामिल है कि टाटा ट्रस्ट किसी विवाद में न उलझे, क्योंकि ऐसा होने पर संस्था की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

केतन पारेख को विदेश जाने की अनुमति, 27 करोड़ जमा करने की शर्तय बंगलूरू में ठगी, 10 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। मुंबई की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को 2000–01 के शेयर बाजार घोटाले के आरोपी और पूर्व स्टॉक ब्रोकर केतन पारेख को विदेश यात्रा की सशर्त अनुमति दी है। अदालत ने कहा कि पारेख को यात्रा से पहले 27.06 करोड़ रुपये की बकाया राशि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में जमा करनी होगी। पारेख ने पारिवारिक अवकाश के लिए 5 से 9 नवंबर तक थाईलैंड और 18 से 28 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक शादी में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। इससे पहले सितंबर में अदालत ने उनकी चार महीने की विदेश यात्रा की याचिका खारिज कर दी थी। सेबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनुभा रस्तोगी ने पारेख की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि पिछली बार से अब तक कोई नई परिस्थिति नहीं बदली है और आरोपी ने पहले भी अदालत की छूट का दुरुपयोग किया था। हालांकि, विशेष जज आरएम जाधव ने कहा कि सीमित अवधि और पारिवारिक उद्देश्य को देखते हुए पारेश को विदेश यात्रा की इजाजत दी जा सकती है, बशर्ते पूरी राशि सेबी को जमा की जाए। सरकारी बैंकों के निजीकरण से राष्ट्रीय हित को कोई नुकसान नहीं रू सीतारमण वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस आशंका को खारिज कर दिया कि सरकारी बैंकों के निजीकरण से वित्तीय समावेशन व राष्ट्रीय हित को नुकसान पहुंचेगा। 1969 में किए गए बैंकों के राष्ट्रीयकरण से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, राष्ट्रीयकरण से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण देने और सरकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में मदद मिली, लेकिन सरकारी नियंत्रण ने सरकारी बैंकों को अव्यवसायिक बना दिया। सीतारमण ने कहा, राष्ट्रीयकरण के 50 वर्षों के बावजूद उद्देश्य प्राप्त नहीं हुए हैं। जब हमने बैंकों को पेशेवर बना दिया, तब वे उद्देश्य खूबसूरती से प्राप्त हो रहे हैं। पहले सरकारी बैंकों का दुरुपयोग हुआ। इससे खाताबही में गिरावट आई है। 2012–13 में दोहरे खाताबही की समस्या को ठीक करने में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद हमें छह साल लग गए। अब वही बैंक परिसंपत्ति गुणवत्ता, शुद्ध लाभ, ऋण व जमा वृद्धि व वित्तीय समावेशन के मामले में बेहतर हैं। सरकार चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 फीसदी के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा कर लेगी। बैटरी में खामी के चलते स्टेलैंटिस ने 3.2 लाख वाहनों को मंगाया वाशिंगटन। ऑटो कंपनी स्टेलैंटिस ने अमेरिका में 3,20,000 से अधिक जीप रैंगलर और ग्रैंड चेरोकी वाहनों को संभावित हाई–वोल्टेज बैटरी फेलियर के कारण वापस मंगाया है। अमेरिकी राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन (एनएचटीएसए) ने चेतावनी दी कि वाहन को मालिक अपने वाहन को किसी बाहरी स्थान पर खड़ा करें और चार्ज न करें। फ्रेंको–इतालवी–अमेरिकी कंपनी ने इससे पहले अक्तूबर में 2.98 लाख वाहनों को संभावित रोलअवे जोखिम के कारण वापस मंगाया था। बंगलूरूरू नोटों के सीरियल नंबर बदलकर ठगी करने वाले 10 लोग गिरफ्तार बंगलूरू पुलिस ने 2,000 रुपये के नोटों के सीरियल नंबर बदलकर लोगों को ठगने वाले 10 सदस्यों के गिरोह का खुलासा किया है। ये जालसाज लोगों से कहते थे कि खास सीरियल नंबर वाले इन नोटों से मनी रेन (पैसों की बारिश) का अनुष्ठान करने पर उनका धन 100 गुना बढ़ जाएगा। वे ये नोट महंगी कीमतों पर बेचते थे। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई 17 अक्तूबर को हलासुरु गेट पुलिस स्टेशन में भारतीय रिजर्व बैंक के एक प्रबंधक की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई।

संक्षिप्त

डीएसपी दीप्ति शर्मा का दमदार प्रदर्शन, यूपी पुलिस को गर्व

यूपी पुलिस की डीएसपी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन से देश का मान बढ़ा दिया है। बता दें कि दीप्ति शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 52 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसके बाद उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने उन्हें बधाई संदेश भेजा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा गया कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर दीप्ति ने 215 रन बनाए और 22 विकेट हासिल किए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार भी दिया गया है। गौरतलब है कि जनवरी 2025 में उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'कुशल खिलाड़ी योजना' के तहत खेल कोटे में डीएसपी नियुक्त किया गया था। फाइनल मैच में दीप्ति ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वे विश्व कप के किसी भी नॉकआउट मुकाबले में अर्धशतक जमाने और पांच विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बनीं, चाहे वह पुरुष हों या महिला क्रिकेटर। दीप्ति ने 54 रन की पारी खेली और 5 विकेट लेकर 39 रन दिए, जिससे भारत का 298ध्7 का स्कोर दक्षिण अफ्रीका के लिए असंभव चुनौती साबित हुआ। आगरा की रहने वाली 28 वर्षीय दीप्ति ने मैच के बाद पीटीआई से कहा कि यह उनके करियर का सबसे खास पल है। उन्होंने कहा, "पहले मैच से ही मेरा लक्ष्य था कि एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर टीम को हर हाल में योगदान दूं। फाइनल में इस तरह का प्रदर्शन करना और ट्रॉफी उठाना, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।" देश के लिए लंबे समय बाद आई इस जीत पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "हमने कई साल इंतजार किया, लेकिन जो भगवान ने लिखा है वही होता है। शायद ये जीत भारत की धरती पर ही होनी थी।" दीप्ति शर्मा की इस उपलब्धि ने न सिर्फ भारतीय क्रिकेट में एक नया अध्याय जोड़ा है, बल्कि यूपी पुलिस के लिए भी यह गर्व का क्षण साबित हुआ है।

हरमनप्रीत का अभिनंदन अंदाज

सोशल मीडिया पर इन दिनों भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह ट्रॉफी उठाने से पहले एक कप से घूंट भरते हुए दिखाई देती हैं। फैंस के बीच यह चर्चा चल पड़ी है कि हरमनप्रीत ने यह अंदाज विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को सम्मान देने के लिए अपनाया, जिनकी चाय पीते हुए तस्वीर 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान में काफी वायरल हुई थी। बता दें कि हरमनप्रीत की यह खास अदा आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीत के बाद सामने आई, जिसमें भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराते हुए पहली बार यह खिताब अपने नाम किया। गौरतलब है कि सोशल मीडिया यूजर्स अब इस इशारे को देशभक्ति और सैनिकों के प्रति सम्मान से जोड़कर देख रहे हैं। इस बीच, क्रिकेट जगत में ट्रॉफी को लेकर विवाद भी जारी है। हाल ही में पुरुष एशिया कप जीतने के बावजूद भारतीय टीम को अब तक ट्रॉफी नहीं मिली है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था, जिसके बाद उसे मंच से हटा लिया गया। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ किया है कि अगर ट्रॉफी जल्द नहीं मिलती तो यह मुद्दा 4 नवंबर को आईसीसी बैठक में उठाया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, भारतीय पुरुष टीम ने इस जीत का जश्न अपने तरीके से मनाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रोहित शर्मा के अंदाज में एक काल्पनिक ट्रॉफी उठाकर जश्न मनाया, तो हरमनप्रीत कौर ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर एमएस धोनी की 2011 वर्ल्ड कप जीत वाली मशहूर तस्वीर को दोहराया। महिला टीम की यह जीत भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है। शफाली वर्मा की ताबड़तोड़ 87 रनों की पारी और दीप्ति शर्मा के संयमित अर्धशतक ने भारत को मजबूत स्कोर दिया था, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम दबाव में टूट गई और केवल 246 रन पर ऑल आउट हो गई हैं।

यह हमारी नहीं, पूरे देश की जीत! हरमनप्रीत बोलीं- 2017 में हार के बाद प्रशंसकों ने ही जगाई उम्मीद

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 विश्व कप फाइनल में मिली हार के बाद स्वदेश लौटने पर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने में प्रशंसकों और समर्थकों की भूमिका पर जोर दिया। 2005 और 2017 में दो बार विश्व कप जीतने से चूकने के बाद, भारत का सूखा रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका पर 52 रनों की जीत के साथ समाप्त हुआ। 2017 का फाइनल एक बुरा सपना बना रहा जिसने कई वर्षों तक भारत को परेशान किया, खासकर शक्रिकेट के घरश लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की स्थिति को देखते हुए। 2017 में, पूनम राउत के 86 और हरमनप्रीत के 51 रनों ने सुनिश्चित किया कि भारत प्रतिष्ठित खिताब के साथ स्वदेश लौटने की राह पर बना रहे। हालाँकि, मध्य क्रम के अभूतपूर्व पतन के कारण भारत खिताब से नौ रन से चूक गया। जब भारत भारी मन से स्वदेश लौटा, तो प्रशंसकों ने टीम का मनोबल बढ़ाया और उसी क्षण से, महिला टीम ने दशकों के इंतजार को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए। बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में हरमनप्रीत ने कहा, ष्2017 विश्व कप के बाद, हम जीत के करीब पहुँच गए थे और नौ रनों से मैच हार गए। हम समझ नहीं पा रहे थे कि यह कैसे हुआ, क्योंकि हम नियंत्रण में थे। लेकिन हमें भारतीय प्रशंसकों से प्रेरणा मिली, जिन्होंने दिखाया कि न केवल हम, बल्कि पूरा देश उस पल का इंतजार कर रहा था जब महिला क्रिकेट उनके लिए कुछ खास करेगा। हम स्टेडियम में नहीं खेल रहे थे। सभी ने मिलकर इसे जीता क्योंकि यह अकेले संभव नहीं था।ष आठ साल बाद, जिस पल का हरमनप्रीत और देश भर के प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वह आखिरकार हकीकत बन गया। भारत ने शेफाली वर्मा के 87(78) रनों और दीप्ति शर्मा के 58 रनों की बदौलत 298ध्7 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में, कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने अकेले दम पर 101(98)।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

4

लखनऊ शुक्रवार, 07 नवम्बर 2025

सम्पादकीय

भयावह असमानता

उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता अपने चरम पर जा पहुंची है। एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। जिस बात की पुष्टि स्वतंत्र विशेषज्ञों के जी–20 पैनल द्वारा किए एक अध्ययन के निष्कर्षों में की गई है। इस अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 और 2024 के बीच दुनिया भर में बनी नई संपत्तियों का बड़ा हिस्सा दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास है। जबकि निचले स्तर की आधी आबादी के हिस्से में एक प्रतिशत ही आया है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब गुरबत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति–निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। वहीं दूसरी ओर राज्य के विपक्ष ने भी इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। लेकिन इसके बावजूद राज्य में जन–केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने हजारों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। इसमें दो राय नहीं कि यदि सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहले करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक पहल की जा सकती है। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है। जनता को मुफ्त में सुविधाएं देने के बजाय ऋण व अनुदान से उत्पादकता बढ़ाकर उन्हें स्वावलंबी बनाना होगा। प्रत्येक चिन्हित गरीब परिवार के लिए सूक्ष्म योजनाएं तैयार करना और उन्हें क्रियान्वित करना उचित होगा। निस्संदेह, देश के अन्य राज्य भी अपनी जरूरतों और परिस्थितियों के अनुसार केरल के मॉडल को अपना सकते हैं। इसमें केंद्र व राज्य सरकारों को अनुकूल आंकड़ों का सहारा लेना भी जरूरी होगा। इस साल की शुरुआत में, विश्व बैंक ने बताया था कि भारत 2011–12 और 2022–23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। केंद्र सरकार ने अपने काम के लिये खुद की पीठ भी थपथपाई थी। हालांकि, गरीबी के अनुमानों की रिपोर्टिंग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाये गए थे। निर्विवाद रूप से सभी हितधारकों को यह तथ्य समझना होगा कि केवल संख्याएं ही पूरी तस्वीर को नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव नजर भी आना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति–धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है।

ट्रम्प ने 'युद्धविराम' चाहा, शी ने 'बढ़त' हासिल की

एजेन्सी

> *ट्रम्प को लगा कि शी को बराबरी का दर्जा देकर और उनकी मुलाकात को 'जी2' कहकर वह उन पर एहसान कर रहे हैं। जिस तरह से यह प्रक्रिया चल रही थी, उससे ऐसा लग रहा था कि शी खुद एहसान कर रहे हैं।*

अति –उत्सुक डोनाल्ड ट्रम्प की छवि, जो ठंडे स्वभाव वाले शी जिनपिंग को मनाने की कोशिश कर रहे थे, मिटाना मुश्किल होगा। चीनी नेता का अनौपचारिक भाषण संरक्षणात्मक और पितृसत्तात्मक था। क्या शी ने ट्रम्प को 'विश्व मंच पर ठगा', जैसा कि सदन के शीर्ष डैमोक्रेट हकीम जेफ्रीज ने यादगार दावा किया था? क्या उन्होंने चीन के आगे घुटने टेक दिए? इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि शी का पलड़ा भारी था। ट्रम्प को लगा कि शी को बराबरी का दर्जा देकर और उनकी मुलाकात को 'जी2' कहकर वह उन पर एहसान कर रहे हैं। जिस तरह से यह प्रक्रिया चल रही थी, उससे ऐसा लग रहा था कि शी खुद एहसान कर रहे हैं। ट्रम्प का जी2 वाला सूत्रीकरण दिल्ली में पत्थर की तरह गिरा, जहां यह शब्द बुरी यादें ताजा करता है। क्या वह भारत को ट्रोल कर रहे थे? चीनी विशेषज्ञ और पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रश दोशी ने बताया कि इस संदर्भ ने केवल 'अमरीकी सहयोगियों और सांझेदारों के इस डर को और पुख्ता किया कि हम उनके साथ संबंधों की बजाय चीन के साथ संबंधों को प्राथमिकता देंगे।' बात यह है कि अमरीका–भारत संबंध पहले ही बिखर चुके हैं। दुर्भाग्य से, यह दो अहं की लड़ाई बन गई है। हां, 10 साल के रक्षा ढांचे के समझौते पर हस्ताक्षर सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ को इस उथल–पुथल से बचा लेते हैं। लेकिन अन्य जगहों पर गतिरोध चिंताजनक है। इस साल क्वाड शिखर सम्मेलन की संभावना कम ही दिखती है। ट्रम्प ने शी को इसलिए लुभाया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि उनके पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं, उनके किसान और उद्योग मुश्किल में हैं और उन्हें एक समझौते की जरूरत है। क्या मोदी अपना रुख बदल सकते हैं क्योंकि भारतीय कामगार भी मुश्किल में हैं? मोदी इन दिनों विश्व मंच पर मौजूद होने से ज्यादा अनुपस्थित हैं। ट्रम्प से बचना कोई रणनीति नहीं हो सकती। वह तीन साल और रहेंगे। इस बीच, शी 'जीत–जीत' की स्थिति में हैं। अमरीका के साथ उन्होंने अपनी पकड़ मजबूत की, रियायतें हासिल कीं, ट्रम्प को टैरिफ कम करने पर मजबूर किया और व्यावहारिक तौर पर यह साबित कर दिया कि वह भी उसी स्तर के हैं और धीरे–धीरे आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने ट्रम्प को अपनी साख बचाने का मौका जरूर दिया। चीन एक बार फिर सोयाबीन खरीदेगा, लेकिन पहले जितना नहीं। वह दुर्लभ मृदा तत्वों के निर्यात की अनुमति देगा लेकिन केवल एक साल के लिए। वह फेंटानिल के पूर्ववर्ती पदार्थों पर भी अंकुश लगाएगा। दोशी के अनुसार, अमरीका 'पूर्व की यथास्थिति से भी कुछ बदतर स्थिति' में वापस आ गया है और 'विनाशकारी वापसी' ने उसकी कमजोरी उजागर कर दी है। चीन ने एक रणनीतिक गतिरोध पैदा कर दिया है–जो शी जिनपिंग का अगले दशक के लिए लक्ष्य है, यह दिखाकर कि वह कितने तरीकों से अमरीकी अर्थव्यवस्था का गला घोंट सकता है। अगर ट्रम्प को सोयाबीन–दुर्लभ मृदाओं पर अल्पकालिक आध्थक राहत मिली, तो शी जिनपिंग को समय और तकनीक खरीदने का दीर्घकालिक लाभ मिला। फिर भी, कई लोग राहत महसूस कर रहे हैं कि ट्रम्प ने कम से कम एनवीडिया को अपनी सबसे बड़ी ब्लैकवेल चिप चीन को बेचने की इजाजत तो नहीं दी। कम से कम एक अस्थायी युद्धविराम तो है। कम से कम बाजार स्थिर तो हो सकते हैं। अमरीका–चीन के खेल का नतीजा क्या है? यह साफ है कि 10 महीने से भी कम समय में, टकराव की राजनीतिक और आध्थक कीमत ट्रम्प के लिए बहुत ज्यादा साबित हुई। अलग–अलग देशों में दुर्लभ मृदा तत्वों के लिए वैकल्पिक स्थल विकसित करने और प्रसंस्करण क्षमता बनाने में 5–10 साल लगेंगे। अमरीका–चीन प्रतिस्पर्धा जारी रहेगी लेकिन इसे शीत युद्ध के दौरान अमरीका–सोवियत प्रतिद्वंद्विता की तरह ही प्रबंधित किया जाएगा। प्रत्येक पक्ष 'दूसरे की आवश्यक राजनीतिक वैधता' को स्वीकार करता है, विवाद के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सांझा नियम विकसित करता है, संयम का अभ्यास करता है और दूसरे की रक्षात्मक क्षमताओं को कम नहीं करता, विश्व राजनीति के लिए सिद्धांतों की एक सूची को स्वीकार करता है, ताकि 'एक सहमत यथास्थिति के लिए आधार रेखा' प्रदान की जा सके और संकट की स्थितियों के लिए मौजूदा संचार लिंक का उपयोग किया जा सके। इसके अलावा, अमरीका को 'जीत के पूर्ण दावों' को खारिज करना और 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की वैधता' को स्वीकार करना चाहिए। दोनों पक्ष एक–दूसरे की रणनीतिक परमाणु निरोध क्षमता को स्वीकार करने की घोषणा भी कर सकते हैं।

भाजपा–जदयू ने दिखाई चुनावी रंगदारी

बिहार चुनावों में इस बात का अनुमान पहले से था कि जीत हासिल करने के लिए बदजुबानी के नए स्तर कायम होंगे। भाजपा और खासकर नरेन्द्र मोदी इसमें अपना ही बनाया पहले का रिकार्ड तोड़ेंगे। आम चुनाव 2024 में नरेन्द्र मोदी ने जब कहा था कि कांग्रेस वाले आपका मंगलसूत्र चोरी करके ले जाएंगे, तो सब कुछ पता होते हुए भी आश्चर्यमिश्रित दुख हुआ था कि कोई प्रधानमंत्री इस तरह की भाषा कैसे बोल सकता है, ऐसे ऊटपटांग बयान कैसे दे सकता है। लेकिन उस चुनाव में कई बार ऐसे बयान सुनने पड़े। फिर महाराष्ट्र, हरियाणा में यह सिलसिला बढ़ा और अब बिहार चुनाव में जहां इस बार महागठबंधन एनडीए को कड़ी टक्कर दे रहा है, प्रधानमंत्री मोदी कट्टे वाली भाषा पर उतर आए हैं। हम नहीं जानते कि प्रधानमंत्री के सलाहकार कौन हैं, कौन उनके भाषण लिखता है या उसे अंतिम रूप देता है या प्रधानमंत्री जनता का मूड देखकर तात्कालिक भाषण देते हैं, लेकिन एक बात तय है कि वे जनता के स्तर को निचला मानकर ही ऐसे भाषण देते हैं।भाषा की सभ्यता, तहजीब का समाज में बड़ी तेजी से क्षरण हुआ है। इसके लिए अब तक बी ग्रेड की फिल्मों, उपन्यासों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा। ओटीटी प्लेटफार्म के प्रचलन के बाद भाषायी संस्कार पूरी तरह से गुम होने लगे। जिन अपशब्दों को सबके सामने बोलने–कहने में लोग झिझकते थे, उन्हें टीवी पर देखकर आम बोलचाल का हिस्सा बना लिया गया। ऐसे में राजनेताओं की और जो लोग सत्ता में बैठे हैं, उनकी जिम्मेदारी कई गुना ज्यादा बढ़ जाती है कि वे भाषायी शिष्टाचार की न केवल हिफाजत करें, बल्कि उसे बढ़ाएं भी। खुद ऐसी भाषा बोलें कि जनता तक अच्छा संदेश जाए। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने वाले अक्सर अपने बचाव में तर्क देते हैं कि जनता जो देखना–सुनना चाहती है, हम वही दिखाते हैं। लेकिन यह तर्क सत्तारुढ़ नेताओं पर लागू नहीं हो सकता। बल्कि अगर वे ऐसा करें तो उन्हें कटघरे में खड़ा करने की जरूरत है, क्योंकि वे लोकशिक्षण की अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं। बिहार चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर मुख्यमंत्री पद लिया है, तो वे अपनी जिम्मेदारी से मुकर ही रहे हैं।भाषा की सभ्यता, तहजीब का समाज में बड़ी तेजी से क्षरण हुआ है। इसके लिए अब तक बी ग्रेड की फिल्मों, उपन्यासों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा। ओटीटी प्लेटफार्म के प्रचलन के बाद भाषायी संस्कार पूरी तरह से गुम होने लगे। जिन अपशब्दों को सबके सामने बोलने–कहने में लोग झिझकते थे, उन्हें टीवी पर देखकर आम बोलचाल का हिस्सा बना लिया गया। ऐसे में राजनेताओं की और जो लोग सत्ता में बैठे हैं, उनकी जिम्मेदारी कई गुना ज्यादा बढ़ जाती है कि वे भाषायी शिष्टाचार की न केवल हिफाजत करें, बल्कि उसे बढ़ाएं भी। खुद ऐसी भाषा बोलें कि जनता तक अच्छा संदेश जाए। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने वाले अक्सर अपने बचाव में तर्क देते हैं कि जनता जो देखना–सुनना चाहती है, हम वही दिखाते हैं। लेकिन यह तर्क सत्तारुढ़ नेताओं पर लागू नहीं हो सकता। बल्कि अगर वे ऐसा करें तो उन्हें कटघरे में खड़ा करने की जरूरत है, क्योंकि वे लोकशिक्षण की अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं। बिहार चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर मुख्यमंत्री पद लिया है, तो वे अपनी जिम्मेदारी से मुकर ही रहे हैं।श बता दें कि जनसुराज समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के बाद मोकामा चुनावी उथल–पुथल का मैदान बन गया है। इस हत्याकांड में जदयू के प्रत्याशी अनंत सिंह को आरोपी बनाया गया और विपक्ष की मांग पर अनंत सिंह को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद से ललन सिंह ने मोकामा की कमान संभाल ली है। अनंत सिंह की उम्मीदवारी तो रद्द नहीं हुई, बल्कि ललन सिंह अनंत सिंह का बचाव कर रहे हैं कि उन्हें फंसाया गया है।

मेष :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुला :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

चुनावों का राजनीतिक अपराधीकरण, क्या बाहुबली नेता धूल चाटेंगे?

पूनम आई. कौशिश

> *कुछ बाहुबली सीधे चुनाव लड़ते हैं और अन्य अपनी पत्नियों या संबंधियों को चुनावी मैदान में उतार कर अपने राजनीतिक प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश दोनों राज्यों में जो अपराध की दुनिया से आगे बढ़कर सत्ता के गलियारों तक पहुंचे हैं।*

इस राजनीतिक मौसम में दाग अच्छे हैं, जहां पर बिहार में चल रही चुनावी सर्कस में सैंकड़ों अपराधी से राजनेता बने व्यक्ति अपनी बुलेट प्रूफ जैकेटों की प्रदर्शनी कर रहे हैं। इस कटु सच्चाई पर तब सही निशाने पर तीर लगा, जब मोकामा से 5 बार विधायक रह चुके जनता दल (यू) के बाहुबली अनंत सिंह उर्फ छोटे सरकार को राजद के दुलारचंद यादव की हत्या के लिए गिरफ्तार किया गया। बिहार अपने जटिल जातिगत गणित के लिए जाना जाता है और वहां पर दशकों से उन बाहुबलियों को वोट दिया जा रहा है, जिनके पास धन–बल, जन–बल और बुद्धि–बल है। 90 के दशक में लालू के राजद के डॉन शहाबुद्दीन, जो 3 बार सांसद रहे, से लेकर राजपूत नेता आनंद मोहन सिंह, मुन्ना शुक्ला, राजन तिवारी, दद्दन पहलवान, सूरजभान आदि बिहार के बड़े बाहुबली नेता रहे हैं। कुछ बाहुबली सीधे चुनाव लड़ते हैं और अन्य अपनी पत्नियों या संबंधियों को चुनावी मैदान में उतार कर अपने राजनीतिक प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश दोनों राज्यों में जो अपराध की दुनिया से आगे बढ़कर सत्ता के गलियारों तक पहुंचे हैं, उन्हें गंभीर आरोपों के होने के बावजूद मंत्री तक बनाया गया है। अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ, राजू पाल उर्फ अंसारी बंधु से लेकर राजा भैया, जिन्होंने लोगों के घर तक जलाए हैं और विधायक विजय मिश्रा, जिन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र से अधिक समय जेल में बिताया है, वे चाहे किसी भी पार्टी में रहे हों, उन्होंने चुनाव जीता है। धन–बल और बाहु–बल के प्रभाव के बढने के साथ बाहुबलियों ने राजनीतिक दलों से संबंध बनाकर वैधता प्राप्त की और वे अपनी पहचान गरीब और कमजोरों के मसीहा के रूप में बनाते हैं। वे लोगों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता करते हैं, उनके विवादों को सुलझाते हैं, राज्य प्रशासन में जातीय नैटवर्क को सक्रिय करते हैं और इस तरह अपनी सामाजिक लोकप्रियता का प्रदर्शन और यह स्पष्ट करते हैं कि उनके विरुद्ध किसी भी तरह की कार्रवाई महंगी पड़ेगी। इसका कारण क्या है? आज सत्ता संख्या खेल में बदल गई है। पार्टियां बाहुबलियों को इसलिए उम्मीदवार बनाती हैं कि वे अपने बाहुबल का इस्तेमाल अक्सर बंदूक की नोक पर वोट प्राप्त करने के लिए करते हैं और विजयी हो जाते हैं तथा इस व्यवस्था में पारस्परिक लेन–देन होता है। पार्टियों को चुनाव लडने के लिए बेशुमार पैसा मिलता है और अपराधियों को कानून से संरक्षण और समाज में सम्मान। नेता का टैग राजनीतिक सत्ता का इस्तेमाल कर जबरन वसूली और प्रभाव बढ़ाने का टिकट बन जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके विरुद्ध मामले हटा दिए जाएं। कानूनी विलंब के चलते ऐसे बाहुबलियों के विरुद्ध दोषसिद्धि कम होती है। घावों पर नमक लगाने का कार्य तब होता है जब अपराधी सांसद–विधायक जनता की ओर से कानून बनाते हैं। हैरानी की बात यह है कि 22 राज्यों में 2556 विधायकों के विरुद्ध गंभीर अपराधों के आरोप हैं। एक कांग्रेस विधायक के विरुद्ध आपराधिक 204 मामले हैं। विधायकों के विरुद्ध विभिन्न अदालतों में 5000 मामले लंबित हैं। हालांकि न्यायालयों ने निर्देश दिया है कि उनका त्वरित निपटान किया जाए। अपराधियों और पार्टियों की सांठगांठ में पारस्परिक लाभ और भाईचारा हमारे नेताओं का मूलमंत्र है। कुछ ठगों, दस नंबरियों, अपराधियों और माफिया डॉनों का कब्जा होने के चलते केवल यह महत्वपूर्ण रह गया है कि अपराधी किसके साथ हैं, उनके साथ या हमारे साथ। हैरानी की बात यह है कि अपराधी राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर ईमानदार उम्मीदवारों को चुनावी दौड़ से बाहर कर रहे हैं। हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार 45.5 प्रतिशत अपराधी उम्मीदवारों ने 24.7 प्रतिशत साफ–स्वच्छ वाले उम्मीदवारों को हराया। इसलिए, इस प्रणाली में आज भारतीय मध्यम वर्ग भी अपराधियों को चुनने से परहेज नहीं करता बशर्ते कि वे उनके संरक्षक बनें। कमजोर पुलिस और कानूनी प्रणाली के चलते माफिया नेता हत्या के मामलों से भी बच जाते हैं। इसके अलावा हमारे यहां कानूनी प्रक्रिया बहुत लंबी है। हमारे कानून केवल उन व्यक्तियों को चुनाव लडने से रोकते हैं, जो न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध हों और इसमें अक्सर कई बार दशकों लग जाते हैं। हाल ही में इस संबंध में न्यायालय ने कहा कि उसके द्वारा विधानसभा चुनावों में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को खड़ा न करने के निर्देश देने के बावजूद अपराध जारी हैं। न्यायालय ने कहा कि हमने विधान मंडलों से कहा है कि उन उम्मीदवारों के विरुद्ध कार्रवाई करें जिनके विरुद्ध आरोप निर्धारित हो गए हैं किंतु कुछ भी नहीं किया गया और कुछ भी नहीं किया जाएगा। दुर्भाग्यवश हम कानून नहीं बना सकते हैं। एक ऐसे वातावरण में जहां पर हमारी संसदीय प्रणाली राजनीतिक के अपराधीकरण द्वारा हाईजैक कर दी गई है, आम आदमी खिन्न है।

अविका गौर

शादी की शूटिंग में रीटेक हुआ, मेरी दो बार एंट्री हुई, मिलिंद बेचारा दोनों बार रोया

अविका गौर ने हाल ही में बॉयफ्रेंड मिलिंद चांदवानी से शादी की। पर टीवी पर। सारी दुनिया के सामने। उन्होंने अपने इस फैसले के बारे में हमसे खुलकर बात की। ये भी बताया कि हनीमून पर कब जाएंगे और शादी के बाद पहली दिवाली कहां पर सेलिब्रेट करने वाली हैं। पढ़ें रिपोर्ट। दर्शकों की दुलारी श्बालिका वधूश यानी ऐक्ट्रेस अविका गौर अब असल जीवन में भी वधू बन गई हैं। हाल ही में अविका ने बॉयफ्रेंड मिलिंद चांदवानी के साथ सात फेरे लिए। खास बात यह रही कि अविका और मिलिंद ने यह शादी अपने टीवी शो श्पति, पत्नी और पंगाश के सेट पर की, जिसका साक्षी सारी दुनिया बनी। शादी के बाद अविका ने हमने की यह खास बातचीतरू शादी के बाद यह आपकी पहली दिवाली है, तो ये कितनी खास होने वाली है? दिवाली पर अगर मैं शूट नहीं कर रही होती हूं तो कोशिश करती हूं कि परिवार और दोस्तों के साथ ही मनाऊं, पर मेरा दिवाली मनाने का कोई एक टिपिकल तरीका नहीं है। जैसे, पिछले साल मैं वृंदावन में शूट कर रही थी और मुझे एक दिन की छुट्टी मिली थी तो हम मिलिंद की नानी के यहां चले गए थे, जो ग्वालियर में रहती थीं। हमने उनके साथ दिवाली मनाई तो मैंने हमेशा कोशिश की है कि कुछ अच्छा और इंट्रेस्टिंग हो। इस बार भी कुछ अच्छा ही होगा। शादी के बाद हमारी पहली दिवाली है तो सब लोग बहुत एक्साइटेड हैं। हम लोग हैदराबाद जाने का प्लान कर रहे हैं, जहां पर मिलिंद के माता–पिता रहते हैं तो इस बार मजा तो आएगा। श्थामाश ने आठ दिनों में लूटा मजमा, 100 करोड़ पार, अब श्मिराईश और श्मुंज्याश को देगी धोबी पछाड़ श्तारक मेहता...श की दीप्ति हरी साड़ी पहनकर आईं सामने तो नहीं हटी नजर, बालों में सफेद गुलाब लगा दिखाया देसी ग्लैमर श्द ताज स्ष्टोरीश पर रिलीज से पहले केस दर्ज, ठश्रच नेता ने परेश रावल की फिल्ष्म पर ठोका मुकदमा श्तुम्हारे पास 10 लोग हैं, मेरे पास. ..श, धर्मेंद्र ने अंडरवर्ल्ड को दे दी थी धमकी, फैन ने किया था चाकू से हमला हम लोग हैदराबाद जाने का प्लान कर रहे हैं, जहां पर मिलिंद के माता–पिता रहते हैं आप अब तक पूरे देश की बालिका वधू थीं, अब सच में मिलिंद की वधू बन चुकी हैं, क्या अलग महसूस हो रहा है? सच कहूं तो शादी को लेकर हाइप बहुत होता है। मुझे भी लगा था कि कुछ बहुत अलग होगा, पर ऐसा नहीं है। मुझे इतना कुछ बहुत ज्यादा अलग नहीं लग रहा, बस मैच्योरिटी ज्यादा लग रही है। लग रहा है कि अचानक से बड़ी हो गई हूं। इसके अलावा, बदलाव यही है कि अब हम दोनों जिंदगी को एक साथ देखेंगे। हमारे परिवार एक हो गए हैं। ऐसी कई बातें मन में आती हैं, जो अच्छी, पॉजिटिव बातें हैं। आपने टीवी शो श्पति, पत्नी और पंगाश के सेट पर शादी करने का फैसला क्यों किया? इस पर मिलिंद और आपके घरवालों की क्या प्रतिक्रिया थी? मैं बचपन से टीवी सेट पर रही हूं। मेरी ऑडियंस ने मुझे सालों से इतना प्यार दिया है, तो मुझे लगा कि उनके पास यही एक मौका है, मेरी जिंदगी के सबसे खास पल का हिस्सा बनने का। फिर भी, मैं अकेली यह फैसला नहीं ले सकती थी, पर जब मैंने मिलिंद और हमारे परिवार वालों से इस बारे में बात की तो सब बहुत ज्यादा उत्साहित थे, क्योंकि हम इतिहास बना रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि किसी चौनल के साथ किसी का बचपन से ऐसा कनेक्शन रहा हो, तो सभी ये यह बात समझी और सब बहुत खुश थे। आपने कुछ शर्तें भी रखी थीं कि शादी में यह चीजें आपकी पसंद की होंगी? बिल्कुल, बहुत सारी चीजें हैं। जैसे, हमारी शादी पूरी गुजराती रस्मों–रिवाज के साथ हुई है, जैसा हम चाहते थे। मैं चाहती थी कि लहंगा मेरी पसंद का हो, तो छोटी–छोटी चीजों से लेकर बड़ी चीजों तक वैसा ही हुआ, जैसा हम चाहते थे। हमने बहुत सोच समझकर प्लानिंग की थी। हम निश्चित तौर पर चाहते थे कि हमारे क्लोज फैमिली मेंबर्स भी हों तो वे भी थे। ओवरऑल मेकर्स ने ये पॉसिबल किया कि ये सिर्फ एक शो न हो, बल्कि हमारे लिए हमारी जिंदगी का सबसे यादगार दिन भी हो, तो सब कुछ हमारी उम्मीदों से बढ़कर रहा। हमारी शादी पूरी गुजराती रस्मों–रिवाज के साथ हुई है, जैसा हम चाहते थे मगर शादी की रस्में आपकी दोस्तों, रिश्तेदारों के बजाय शो की प्रतिभागियों ने निभाई। जैसे हिना खान जूता चुरा रहीं, देबिना बलाएं ले रही थीं? हिना और ईशा को मैंने अपनी जिंदगी में वह जगह दे दी है, इसलिए उन्हें यह हक महसूस हुआ। मुझे तो बहुत अच्छा लगा कि हिना और ईशा ने जूता चुराया। इतना ही नहीं, मुनव्वर जिन्होंने कभी किसी दुल्हन की एंट्री नहीं कराई है, वो मेरी फूलों की चादर लेकर आए, कृष्णा भी बहुत इमोशनल थे। उन्होंने मुझे खुद कहा कि उन्होंने सिर्फ अपनी बहन आरती के लिए ये किया था। सभी ने बहुत प्यार से मुझे अपना मानकर ये सब किया, इसलिए ये रिश्ते मेरे लिए बेहद इंपॉर्टेंट बन गए हैं। यह सब कुछ शो के तौर पर शूट हो रहा था, तो रीटेक भी हुए होंगे। कोई फनी या अटपटा रीटेक हुआ? बिल्कुल, एक रीटेक तो मुझे याद है कि मेरी एंट्री दो बार हुई थी। ये मुझे फनी इसलिए लगती है, क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि एक बार तो मिलिंद रोएगा, मगर वो बेचारा दोनों बार रोया (हंसती हैं)। मुझे बहुत अच्छा भी लगा कि उसने मेरे लिए इतना इमोशन दिखाया। शादी के दौरान तो आप दोनों शूट में बिजी रहे। हनीमून ब्रेक का क्या प्लान है? हमने सोचा निश्चित तौर पर है। पहले ये शो खत्म हो जाए, उसके तुरंत बाद हम अच्छे से प्लान करके कहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि हमने पहले भी साथ में काफी ट्रिप किए हैं। हम बहुत घूमे हैं, मालदीव से लेकर तुर्की और बहुत सारी जगहों पर, तो हम सोच रहे थे कि अब शादी के बाद पहली बार जाना है तो कुछ स्पेशल होना चाहिए। कुछ अलग करना चाहिए। अभी तो हम इसी बात पर ही यकीन कर रहे हैं कि हां, भाई हो गई शादी (हंसती हैं)। मिलिंद में ऐसी क्या खूबियां थीं, जिससे लगा कि वही आपके जीवनसाथी हैं? वह कैसे आपको कंप्लीट करते हैं। वह बहुत समझदार, धैर्यवान और मैच्योर है। ये तीनों ही खूबियां मुझमें नहीं है (हंसती हैं)। वह बहुत ही सुलझा हुआ है। कोई भी मुद्दा हो, वह बहुत आसानी से उसे खत्म कर देता है तो हमारे झगड़े नहीं होते। मैं यह चीज मिस भी करती हूं लेकिन यह उसकी सुपर पावर है कि वह हर चीज को आसान बना देता है। वह हर चीज में मुझे कंप्लीट करता है। मुझे मोटिवेट करता है। अगर मेरा मन करता है कि कोई जोक मारे, मेरा मूड ठीक हो जाए, तो ऐसी बचकानी चीजों में भी मेरा साथ देता है। हम एक–दूसरे के साथ एक काफी अच्छा बैलेंस कर पाते हैं। हमें साथ में करीब छह–साढ़े छह साल हो गए हैं और हर दिन लगता है कि यह लड़का ये भी करता है। वह हमेशा मुझे इंप्रेस करने की कोशिश करता है, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है।

तब्बू @54

14 की उम्र में 'हम नौजवान' में रेप पीड़ित प्रिया का किरदार निभाने वाली तब्बू आज भारतीय सिनेमा की सबसे दमदार अभिनेत्रियों में गिनी जाती है। 'विजयपथ' से पहचान मिली और इसके बाद 'माचिस', 'चांदनी बार', 'हैदर' और 'अंधाधुन' जैसी फिल्मों ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। तब्बू ने हर किरदार में नई चुनौती स्वीकार कर सिनेमा को समृद्ध किया। निजी जीवन की उतार–चढ़ाव भरी यात्रा और विवादों के बावजूद उन्होंने संतुलन बनाए रखा। पद्मश्री सम्मान से नवाजी गईं तब्बू आज भी अपने सशक्त अभिनय, सादगी और गहरी सोच से प्रेरणा बनकर सामने आती हैं। तब्बू आज 54 साल की हो गई हैं, आइए उनके जीवन और करियर की कुछ खास बातें जानते हैं। पिता का चेहरा तक नहीं देखना चाहतीं हैदराबाद में 4 नवंबर 1971 को जन्मी तबस्सुम फातिमा हाशमी को आज दुनिया तब्बू के नाम से जानती है। बचपन में ही उन्हें पिता का साया नहीं मिला। जब मां रिजवाना और पिता जमाल हाशमी के रिश्ते टूटे, तब घर की दुनिया बदल गई। तब्बू ने साल 2015 में सिमी गरेवाल को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपने पिता का चेहरा तक नहीं देखना चाहतीं, क्योंकि उनके लिए मां ही पूरी दुनिया हैं। तब्बू जब तीन साल की थीं, तब उनके पिता जमाल हाशमी ने उनकी मां को तलाक दे दिया था और दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद तब्बू ने कभी अपने पिता को नहीं देखा और न ही उनसे मिलने की इच्छा जताई। मां रिजवाना ने बेटियों फराह और तबस्सुम दोनों को अकेले पाला। हैदराबाद से स्कूल की पढ़ाई के बाद तब्बू मुंबई आ गईं, जहां उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज से पढ़ाई की और फिर धीरे–धीरे फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया।सिर्फ 14 की उम्र में निभाया रेप पीड़ित का किरदारतब्बू महज 12 साल की उम्र में पढ़ाई के लिए मुंबई आई थीं। दो साल तक सेंट जेवियर्स कॉलेज में पढ़ने के बाद किसे पता था कि सिर्फ 14 की उम्र में वो देव आनंद की फिल्म 'हम नौजवान' में एक रेप पीड़ित का बेहद संवेदनशील किरदार निभा लेंगी। इतनी कम उम्र में इतना कठिन रोल चुनना हर किसी के बस की बात नहीं थी। यह तब्बू जैसी समझदार और गहरी सोच रखने वाली अदाकारा ही कर सकती थीं। हालांकि तब्बू इससे पहले फिल्म ''बाजार' में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर नजर आ चुकी थीं। लीड एक्ट्रेस के तौर पर तब्बू की पहली फिल्म तेलुगु की 'कुली नंबर वन' रही, जिसने उनके अभिनय सफर की असली शुरुआत की। तब्बू ने अनुपम खेर के शो में बताया कि बचपन में एक बर्थडे पार्टी में उनकी मुलाकात देव आनंद की साली सुषमा आंटी से हुई। उन्होंने तब्बू को देखा और बताया कि देव साहब को फिल्म के लिए एक चाइल्ड आर्टिस्ट चाहिए। कुछ दिन बाद शबाना आजमी स्कूल आईं और तब्बू को यह ऑफर बताया।

श्भाबी जी घर पर हैंश सीरियल पिछले कई सालों से लोगों को एंटरटेन कर रहा है. तारक मेहता की तरह ही श्भाबी जीश ने भी दर्शकों के दिलों को जीतने में कोई कमी नहीं छोड़ी है. अब तक इस शो में कई बदलाव भी देखे जा चुके हैं. कई बार श्भाबी जीश की कास्ट बदल चुकी है. इसी बीच श्भाबी जी घर पर हैंश को लेकर बड़ा दावा किया जा रहा है. रिपोर्ट्स के अनुसार भाबीजी घर पर है में पुराने किरदार की वापसी होने वाली है. ये कोई और नहीं बल्कि पुरानी अंगुरी भाभी हैं जो टीवी पर वापसी करने वाली हैं. खबरों के अनुसार श्भाबी जी घर पर हैंश में शिल्पा शिंदे फिर से एंट्री करने वाली है और उनका फिर से पुराना अंदाज देखने को मिलने वाला है. शिल्पा का है विवादों से गहरा नाता शो में शिल्पा शिंदे एक बार फिर से अंगूरी भाभी बनकर वापसी कर रही हैं. हालांकि मेकर्स और शिल्पा शिंदे ने इस खबर पर मुहर नहीं लगाई है. बता दें बीते कई सालों से शिल्पा शिंदे ने टीवी से दूरी बना रखी है.क्योंकि, उन्होंने जब भी टीवी पर आने की कोशिश की है, तब किसी ना किसी विवाद में उनका नाम जरूर पड़ा है. ऐसे में ये कहा जा रहा है कि अगर शिल्पा शिंदे श्भाबी जी घर पर हैंश में एंट्री करेंगी तो शुभांगि अत्रे का आखिर क्या होगा. क्योंकि सालों से शुभांगी ने ही अंगूरी भाभी की भूमिका निभाई है. ये कहना गलत नहीं होगा कि पुरानी अंगूरी भाभी की एंट्री से विभूति नारायण का तो दिन बन जाएगा. एक बार फिर से विभूति और अंगूरी भाभी का पुराने स्टाइल में रोमांस देखने को मिलेगा. बिग बॉस में होती थी लड़ाई मालूम हो सालों पहले श्भाबी जीश के मेकर्स से शिल्पा शिंदे का झगड़ा हो गया था. इस झगड़े के बाद ही शिल्पा शिंदे को शो से बाहर किया गया. शो से बाहर होने के बाद शिल्पा शिंदे ने मेकर्स पर कई आरोप लगाए थे।

टीवी एक्ट्रेस माही विज ने हाल ही में अपने और जय भानुशाली के तलाक की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें फैल रही थीं कि दोनों का रिश्ता अब खत्म हो गया है। माही ने इन रिपोर्ट्स को झूठा बताया और कहा कि अगर इस तरह की गलत बातें फैलती रहीं, तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगी। दरअसल, हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पेज ने माही और जय की शादी को लेकर एक पोस्ट शेयर की थी। जिसमें लिखा था, क्या सब खत्म हो गया? 14 साल की शादी के बाद जय भानुशाली और माही विज के तलाक की खबरें सामने आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, जुलाई और अगस्त 2025 के बीच दोनों ने तलाक के कागजात साइन कर फाइनल कर दिए हैं। उनके तीन बच्चों की कस्टडी का फैसला भी हो चुका है। एक सूत्र ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया, "काफी कोशिशें की गईं।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करेगा ये चूर्ण

गुड़मार जिसे 'मधुनाशिनी' भी कहा जाता है, आयुर्वेद में एक बहुत ही गुणकारी औषधीय जड़ी–बूटी मानी जाती है। इसका अर्थ ही होता है जो गुड़ (शक्कर) को नष्ट करे। यानी यह ब्लड शुगर कंट्रोल के लिए बेहतरीन है। अगर आप गुड़मार को रोजाना नियंत्रित मात्रा में लेते हैं, तो यह शरीर को डिटॉक्स, एनर्जी और रोग–प्रतिरोधक ताकत से भर देता है। चलिए जानते हैं इसके चमत्कारी फायदों के बारे में

गुड़मार शुगर लेवल कैसे संतुलित करती है

गुड़मार शरीर में इंसुलिन हार्मोन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाती है, जिससे ब्लड में मौजूद शुगर कोशिकाओं तक पहुंचती है और ऊर्जा में बदल जाती है। इसके पत्तों में एक विशेष तत्व होता है जो जीभ की मीठा पहचानने की क्षमता को अस्थायी रूप से कम कर देता है, जिससे मीठा खाने की बतंअपदह घटती है। गुड़मार आंतों में शुगर के अवशोषण को धीमा करती है, जिससे भोजन के बाद ब्लड शुगर का स्तर अचानक नहीं बढ़ता।

सेवन का सही तरीका

यह जड़ी–बूटी बीटा सेल्स को सक्रिय करती है, जो इंसुलिन बनाने में मदद करती हैं कृ इससे शुगर लेवल स्वाभाविक रूप से संतुलित रहता है। सुबह खाली पेट या रात के खाने के बाद) चम्मच गुड़मार पाउडर गुनगुने पानी के साथ लें या फिर गुड़मार की चाय (2–3 पत्ते पानी में उबालकर) दिन में एक बार पिएं। अगर आप पहले से डायबिटीज की दवाएं ले रहे हैं, तो गुड़मार लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाएं इसका सेवन न करें।

गुड़मार खाने के और भी हैं फायदे

इसमें मौजूद ऐंटिऑक्सिडेंट्स लिवर को डिटॉक्स करते हैं और किडनी को सुरक्षित रखते हैं। गुड़मारमीठा खाने की इच्छा कम करती है, जिससे वजन नियंत्रित रहता है। इसके सेवन से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे सर्दी–जुकाम, थकान, संक्रमण जैसी दिक्कतें दूर रहती हैं। यह शरीर से खराब फैट (एलडीएल) को घटाकर हार्ट को हेल्दी रखती है।

सर्दियों में खाएं ये गर्म तासीर वाले मसाले

सर्दियों का मौसम अब धीरे–धीरे नजदीक आ रहा है। ठंडी सुबह–शाम में खांसी, जुकाम, गले में खराश और बुखार जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। इनसे बचाव के लिए अक्सर लोग दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन आपके किचन में मौजूद दालचीनी इन समस्याओं से बचाव और स्वास्थ्य सुधार दोनों में मदद कर सकती है। दालचीनी एक भूरे रंग की, छोटी–छोटी लकड़ी जैसी खुशबूदार जड़ी–बूटी है। यह सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाती, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी देती है।

शरीर को रखे अंदर से गर्म और बीमारियों से बचाए

सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में दालचीनी पाउडर मिलाकर पीने से शरीर को अंदर से गर्मी मिलती है और ठंड के मौसम में खांसी–जुकाम, गले में खराश जैसी समस्याओं से बचाव होता है।

ब्लड शुगर और पाचन में मदद

दालचीनी में मौजूद पॉलीफेनोल्स इंसुलिन के कामकाज को बेहतर बनाते हैं। रोजाना एक चुटकी दालचीनी का सेवन ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखता है। इसके अलावा यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखती है, शरीर की सूजन कम करती है और दिनभर ऊर्जा बनाए रखती है।

फैट बर्निंग और मेटाबॉलिज्म बढ़ाए

दालचीनी मेटाबॉलिज्म को तेज करती है और भूख को नियंत्रित रखती है। गुनगुने पानी में नींबू, शहद और दालचीनी मिलाकर पीने से फैट बर्निंग तेज होती है और पेट की जमी चर्बी धीरे–धीरे घटती है।

खांसी–जुकाम और गले की परेशानी में राहत

दालचीनी में एंटी–वायरल और एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं। तुलसी और अदरक के साथ इसे उबालकर पीने से गले की खराश और दर्द में आराम मिलता है। यह खांसी–जुकाम से राहत देने में भी मदद करती है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

दालचीनी और शहद का पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुंहासे और ब्लैकहेड्स कम होते हैं। वहीं दालचीनी और नारियल तेल से बालों की मालिश करने पर बाल मजबूत, घने और स्वस्थ बनते हैं।

दिल और ब्लड प्रेशर के लिए हेल्दी

दालचीनी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इससे हृदय रोगों का खतरा भी कम हो सकता है।

सावधानियां: दालचीनी का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। ज्यादा सेवन से शरीर को नुकसान हो सकता है।

आजकल सोशल मीडिया और फैशन रनवे पर एक छोटा सा मेटल पीस, सेफ्टी पिन, महिलाओं और युवाओं के गले में खूब नजर आ रहा है। जो कभी कपड़ों के फटने पर काम आता था, अब यह फैशन और एक स्टेटमेंट पीस बन चुका है। 2025 में यह जेप जे और मिलेनियल्स दोनों की पसंद बन गया है।

सिलाई बॉक्स से फैशन रनवे तक

सेफ्टी पिन ने पहली बार 1970 के दशक में लंदन के पंक फैशन मूवमेंट में पहचान बनाई। उस समय डिजाइनर विवियन वेस्टवुड और मैल्कम मैकलेरन ने इसे विद्रोही फैशन का हिस्सा बनाया। फटे टी–शर्ट, रिप्ड जींस और स्पाइक हेयर के साथ यह छोटे मेटल पीस ने पंक स्टाइल को परिभाषित किया।

समय के साथ बदलता मतलब

1970 के दशक के बाद, सेफ्टी पिन का मतलब सिर्फ फैशन नहीं रहा। कुछ साल पहले कई सोशल मूवमेंट्स में लोग इसे पहनते थे ताकि यह दिखा सके कि आप सुरक्षित और सपोर्टिव हैं। धीरे–धीरे यह एकजुटता, स्ट्रगल से निकलने की हिम्मत और मेंटल हेल्थ अवेयरनेस का प्रतीक बन गया।

मेंटल हेल्थ और स्ट्रगल का प्रतीक

कई लोग अब सेफ्टी पिन सिर्फ ज्वेलरी के रूप में नहीं पहनते। यह मेंटल हेल्थ अवेयरनेस, स्ट्रगल से निकलने की हिम्मत और आत्मविश्वास का प्रतीक बन गया है। इंस्टाग्राम पर लोग इसके पीछे की पर्सनल स्टोरी भी शेयर कर रहे हैं। कुछ इसे रिकवरी और सेल्फ लव, कुछ इसे रिजिलिएंस और स्ट्रगल से जूझने की निशानी मानते हैं।

क्यों है यह ट्रेंड इतना खास?

छोटी सी चीज, लेकिन बड़ा संदेश। सेफ्टी पिन केवल फैशन स्टेटमेंट नहीं, बल्कि आज के जमाने में सशक्त और मजबूत रहने का प्रतीक बन गया है। यह बताता है कि चाहे हालात कितने भी मुश्किल हों, आप अभी भी खड़े हैं और आगे बढ़ रहे हैं।

हम जानते हैं कि केला खाने के लिए ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी है। यह शरीर को तुरंत एनर्जी, विटामिन्स और मिनरल्स प्रदान करता है। वर्कआउट करने वाले लोग भी इसे अपनी डाइट में शामिल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केले का छिलका भी आपके लिए चमत्कारी फायदे ला सकता है?

दांतों को बनाएं सफेद और चमकदार

अगर आपके दांत पीले पड़ गए हैं या उनमें चमक नहीं है, तो केले का छिलका आपके लिए एक आसान घरेलू उपाय साबित हो सकता है। रोजाना केले के छिलके के अंदर के सफेद हिस्से को हल्के हाथों से अपने दांतों पर रगड़ें। इसमें मौजूद पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज जैसे मिनरल्स दांतों की सतह पर जमी परत को साफ करते हैं और दांतों की नैचुरल व्हाइटनेस वापस लाते हैं। नियमित रूप से कुछ दिनों तक ऐसा करने से दांत साफ, चमकदार और मजबूत नजर आने लगते हैं।

स्किन कॉर्न्स (त्वचा के दाने) दूर करें

अगर आपकी त्वचा पर कॉर्न्स या हार्ड स्किन की समस्या है, तो केले का छिलका इसमें काफी मददगार साबित हो सकता है। इसके अंदर मौजूद एंजाइम्स और नैचुरल ऑयल्स त्वचा की कठोर परत को मुलायम बनाते हैं और धीरे–धीरे उसे हटाने में मदद करते हैं। इसके लिए केले के छिलके को प्रभावित जगह पर रखें, फिर उसे टेप से चिपकाकर ऊपर से मोजे पहन लें और रातभर ऐसे ही छोड़ दें। नियमित रूप से ऐसा करने से कॉर्न्स नरम होकर धीरे–धीरे खत्म हो जाते हैं और त्वचा फिर से मुलायम और स्वस्थ दिखने लगती है।

मुंहासों और दाग–धब्बों का इलाज

अगर आप मुंहासों, पिंपल्स या दाग–धब्बों से परेशान हैं, तो केले का छिलका एक प्राकृतिक उपाय है जो आपकी त्वचा को राहत दे सकता है। इसमें मौजूद ऐंटिऑक्सिडेंट्स, विटामिन सी और पोटैशियम त्वचा की गहराई से सफाई करते हैं और बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। इसके लिए केले के छिलके के अंदरूनी सफेद हिस्से को हल्के हाथों से मुंहासों पर रगड़ें और 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें। नियमित रूप से ऐसा करने से मुंहासे सूखने लगते हैं, दाग–धब्बे धीरे–धीरे हल्के होते हैं और चेहरा साफ, मुलायम और चमकदार दिखने लगता है।

काले घेरे कम करें

अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हैं और चेहरा थका हुआ दिखता है, तो केले का छिलका इस समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन सी, विटामिन ई और ऐंटिऑक्सिडेंट्स त्वचा को पोषण देते हैं और डार्क सर्कल्स को हल्का करने में सहायक होते हैं। इसके लिए केले के छिलके के अंदरूनी हिस्से को आंखों के नीचे हल्के हाथों से लगाएँ और 20 मिनट तक रहने दें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। हफ्ते में 2–3 बार ऐसा करने से काले घेरे धीरे–धीरे कम होते हैं और आंखों के नीचे की त्वचा ताजगी और नमी से भर जाती है।

किन लोगों को नहीं करना चाहिए इस्तेमाल?

संवेदनशील त्वचा वाले लोग यदि आपकी स्किन बहुत सेंसिटिव है या किसी चीज से जल्दी जलन होती है, तो केले के छिलके का इस्तेमाल न करें। पहले हाथ पर थोड़ा लगाकर पैच टेस्ट कर लें।

एलर्जी वाले लोगः अगर आपको केले या लेटेक्स से एलर्जी है, तो छिलका लगाने से खुजली, लालपन या जलन हो सकती है। ऐसे लोग इसका उपयोग न करें।

खुले जख्म या कट वाली जगह परः जहां स्किन फटी या कट लगी हो, वहां केले का छिलका न लगाएं, वरना संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

तेलिया और एक्ने–प्रोन स्किन वालेः बहुत ऑयली स्किन पर छिलका लगाने से रोमछिद्र बंद हो सकते हैं, जिससे पिंपल्स बढ़ सकते हैं।

केले के छिलके को फेंकने की बजाय आप इसे सौंदर्य और सेहत के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा और दांतों के लिए सौंदर्य और स्वास्थ्य दोनों का खजाना साबित हो सकता है।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

7

लखनऊ शुक्रवार, 07 नवम्बर 2025

संक्षिप्त

बोस्निया में एक इमारत में आग लगने से 10 लोगों की मौत, कई घायल

बोस्निया के उत्तरपूर्वी शहर तुजला में एक आवासीय इमारत में आग लगने से मंगलवार को कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी और बोस्निया मीडिया ने यह जानकारी दी। दैनिक समाचार पत्र 'दनेवनी अवाज' ने बताया कि इमारत की एक ऊपरी मंजिल पर आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। अभी तक कम से कम 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा कई और लोगों के हताहत होने की आशंका है। कैंटोनल नेता इरफान हालिलागिक ने समाचारपत्र को दिए एक बयान में पुष्टि की कि मौतें हुई हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। हालिलागिक ने कहा, ''हम अब विचार कर रहे हैं कि निवासियों को कहां ठहराया जाए।'' अखबार और अन्य बोस्नियाई मीडिया संगठनों ने भीषण आग की खबरें पुलिस सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की हैं लेकिन पुलिस ने अभी तक सार्वजनिक रूप से विवरण की पुष्टि नहीं की है। इमारत की तीसरी मंजिल पर रहने वाली रुजा काजिक ने कहा कि वह सोने चली गईं थीं तभी उन्होंने ''जोरदार आवाज'' सुनीं और ऊपरी मंजिलों से आग की लपटें देखीं। मीडिया में जारी घटनास्थल की तस्वीरों में आवासीय इमारत की एक मंजिल पर आग लगी दिखायी दे रही है। आग पर काबू पाने के बाद दमकलकर्मियों ने इमारत को खाली करा लिया।

एक बंधक का शव गाजा में रेड क्रॉस को सौंपा गया : इजराइल

इजराइल की सेना ने कहा है कि एक मृत बंधक का शव गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिया गया है। मंगलवार की घोषणा से पहले, हमास ने मौजूदा युद्धविराम शुरू होने के बाद से 20 बंधकों के शव इजराइल को लौटा दिए थे। अगर सौंपे गए शव की पुष्टि बंधक के रूप में होती है, तो गाजा में सात अन्य लोगों के अवशेष बचेंगे। इजराइल और फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच युद्ध विराम 10 अक्टूबर को शुरू हुआ।

भारत–अमेरिका संबंधों के भविष्य को लेकर 'बहुत सकारात्मक' महसूस करते हैं ट्रंप, व्हाइट हाउस प्रेस सचिव का बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत–अमेरिका संबंधों के भविष्य को लेकर ''बहुत सकारात्मक'' महसूस करते हैं। लेविट ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में भारत–अमेरिका संबंधों के भविष्य से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, ''मेरा मानना है कि राष्ट्रपति इस बारे में बहुत सकारात्मक और दृढ़ महसूस करते हैं। जैसा कि आप जानते हैं कि कुछ हफ्ते पहले उन्होंने दिवाली के अवसर पर ओवल ऑफिस में कई वरिष्ठ भारतीय–अमेरिकी अधिकारियों के साथ मुलाकात की थी और उस दौरान प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) से फोन पर बात भी की थी।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ''बेहतरीन'' प्रतिनिधि हैं, जो वाशिंगटन का बहुत अच्छी तरह प्रतिनिधित्व करेंगे। लेविट ने कहा, ''राष्ट्रपति और उनकी व्यापारिक टीम संबंधित विषय पर भारत के साथ गंभीर चर्चा कर रही है। राष्ट्रपति ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी का बहुत सम्मान करते हैं और दोनों के बीच अक्सर बातचीत होती रहती है।'' पिछले महीने ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दिवाली समारोह की मेजबानी की थी, जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा, कई प्रमुख भारतीय–अमेरिकी कारोबारी नेता और सामुदायिक प्रतिनिधि शामिल हुए थे। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर दिवाली की शुभकामनाएं भी दी थीं। इस पर मोदी ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और अमेरिका दोनों मिलकर दुनिया को आशा की किरण से आलोकित करते रहेंगे तथा आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेंगे। लीविट की यह टिप्पणी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे के कुछ ही दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने रूसी तेल की अपनी खरीद में भारी कमी की है। उन्होंने अपने हालिया पाँच दिवसीय एशिया दौरे के दौरान नई दिल्ली को इस मुद्दे पर ष्बहुत अच्छाष बताया था। उनकी यह टिप्पणी अक्टूबर के मध्य से दिए गए उन बयानों की श्रृंखला में एक और कड़ी है जिनमें प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि भारत मास्को से कच्चे तेल के आयात पर अंकुश लगाएगा या उसे रोक देगा। ट्रंप के ये दावे यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच प्रतिबंधों और ऊर्जा प्रतिबंधों के माध्यम से रूस को आर्थिक रूप से अलग–थलग करने के उनके प्रशासन के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं। इस महीने की शुरुआत में, भारत के विदेश मंत्रालय (ड॰।) ने ट्रंप के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए दोहराया कि देश के ऊर्जा स्रोत संबंधी निर्णय पूरी तरह से राष्ट्रीय हितों और उपभोक्ता कल्याण को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं।

चीन के स्पेस स्टेशन से टकराया अंतरिक्ष मलबा, तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली

बीजिंग। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बड़ा झटका लगा है। चीन के स्पेस स्टेशन से सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे की टक्कर के कारण बुधवार को निर्धारित अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है। यह जानकारी चाइना मैनड स्पेस एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता को ध्यान में रखकर लिया गया है। चीन हर छह महीने में अपने स्पेस स्टेशन के दल की अदला–बदली करता है। बीते शनिवार को शेनझोउ–20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ–21 क्रू के साथ कक्षा में हैंडओवर प्रक्रिया पूरी की थी। अंतरिक्ष स्टेशन की चाबियां मंगलवार को औपचारिक रूप से सौंप दी गईं। शेनझोउ–20 के तीन अंतरिक्ष यात्री (चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जिए) अपने निर्धारित सभी कार्य पूरे कर चुके हैं और बुधवार को इनर मंगोलिया के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरने वाले थे। हालांकि, मलबे की टक्कर के चलते उनकी वापसी अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इस बीच, चीन ने हाल ही में शेनझोउ–21 अंतरिक्ष यान के जरिए तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन पर अपने कक्षीय स्टेशन पर भेजा है। इससे पहले चीन ने एलान किया था कि वह वर्ष 2030 तक अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की दिशा में समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने बताया था कि फिलहाल इंसानों को चंद्रमा पर भेजने से जुड़ी सभी अनुसंधान और विकास परियोजनाएं सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं।

फिलीपींस में कालमेगी तूफान का रौद्र रूप दिखा, 90 से ज्यादा लोगों की हुई मौतें, शहर में मचा हाहाकार

फिलीपींस तूफान कालमेगी से मची तबाही से जूझ रहा है, जिसके कारण मध्य क्षेत्र में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग लापता हैं। बुरी तरह प्रभावित सेबू प्रांत के एक प्रवक्ता ने एएफपी को बताया कि एक तटीय कस्बे से 35 शव बरामद किए गए हैं, जिससे प्रांत में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने पहले तूफान से प्रभावित अन्य प्रांतों में कम से कम 17 अतिरिक्त मौतों की सूचना दी थी। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, अधिकांश मौतें सेबू प्रांत में हुईं, जहां अचानक आई बाढ़ ने आवासीय क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लोग छतों पर फंस गए तथा वाहन बह गए, जो अभी भी सितम्बर में आए घातक भूकंप से उबर रहे थे। अधिकतर लोगों की मौत भीषण बाढ़ में फंसने और तेज बहाव में बह जाने के कारण हुई है। एक अलग घटनाक्रम में सेना ने यह जानकारी दी कि कालमेगी से प्रभावित प्रांतों को मानवीय सहायता पहुंचाने जा रहा फिलीपीन वायु सेना का एक हेलीकॉप्टर मंगलवार को दक्षिणी अगूसन डेल सूर प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें छह लोगों की जान चली गई। हालांकि हेलीकॉप्टर दुर्घटना के कारणों का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। नागरिक सुरक्षा कार्यालय के उप प्रशासक और प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश लोगों की मौत मध्य प्रांत सेबू में हुई, जहां मंगलवार को कालमेगी के कारण अचानक बाढ़ आ गई और नदियां उफान पर पहुंच गईं। अधिकारियों के अनुसार बाढ़ के कारण आवासीय क्षेत्र जलमग्न हो गए, जिसकी वजह से घबराए निवासियों को अपनी छतों पर चढ़ना पड़ा। फिलीपीनी रेड क्रॉस को बचाव के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए, लेकिन आपातकालीन कर्मचारियों के जोखिम को कम करने के लिए जलस्तर घटने तक इंतजार करना पड़ा। सेबू की गवर्नर पामेला बारिकुआट्रो ने कहा कि तूफान से बचाव के लिए हर संभव प्रयास किए गए, लेकिन इस दौरान अचानक आई बाढ़ जैसी अप्रत्याशित घटनाएं हुईं। सेबू में आपदा से निपटने के लिए आपातकालीन धन के तेजी से वितरण को ध्यान में रखते हुए आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। सेबू 24 लाख से अधिक आबादी वाला प्रांत है। यह शहर अब भी 30 सितंबर को आए 6.9 तीव्रता के भूकंप से उबर रहा था, जिसमें कम से कम 79 लोगों की मौत हुई थी और हजारों लोग विस्थापित हुए थे। गवर्नर बारिकुआट्रो ने बताया कि भूकंप से विस्थापित उत्तरी सेबू के हजारों निवासियों को तूफान आने से पहले अस्थायी तंबुओं से आश्रय स्थलों पर ले जाया गया था और भूकंप से तबाह हुए उत्तरी कस्बों में कालमेगी के कारण आई बाढ़ का असर कम हुआ।

डेमोक्रेट एबिगेल स्पैनबर्गर ने वर्जीनिया में इतिहास रचा, बनीं पहली महिला गवर्नर, ट्रंप के लिए खतरा ?

अमेरिकी राज्य वर्जीनिया में हुए चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की एबिगेल स्पैनबर्गर ने जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है। वह दक्षिणी अमेरिकी राज्य की पहली महिला गवर्नर बन गई हैं। रिपब्लिकन लेफ्टिनेंट गवर्नर विनसम अर्ल–सियर्स को हराकर मिली उनकी यह जीत, डेमोक्रेट्स के लिए 2026 मिडटर्म चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण विजय मानी जा रही है।

जीत के बाद स्पैनबर्गर का संदेश

जीत का जश्न मनाते हुए स्पैनबर्गर ने कहा कि वर्जीनिया ने देश को यह संदेश दिया है कि हमने पार्टीबाजी के बजाय प्रैक्टिकल सोच को चुना है। उन्होंने जोर दिया कि वर्जीनिया ने अव्यवस्था के बजाय अपने कॉमनवेल्थ को चुना है।

स्पैनबर्गर कौन हैं और उनकी जीत क्यों महत्वपूर्ण है?

46 वर्षीय स्पैनबर्गर का करियर सीआईए से शुरू हुआ था, जहां उन्होंने एक केस ऑफिसर के रूप में काम किया। इससे पहले उन्होंने यूएस पोस्टल इंस्पेक्शन सर्विस में नारकोटिक्स और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की जांच की थी। उन्होंने 2017 में राजनीति में कदम रखा और 2018 में यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए चुनी गईं। गवर्नर पद की दौड़ में, उन्होंने लोगों की आर्थिक चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया, जैसे खाने, हेल्थकेयर और एनर्जी की लागत कम करना। उन्होंने खुद को वाशिंगटन की अव्यवस्था से अलग दिखाया। उन्होंने कहा कि उनका फोकस पॉलिसीज पर है, न कि 'पर्सनैलिटी कल्ट' पर जो राजनीति पर हावी हो गया है। उन्होंने गन वायलेंस की रोकथाम को भी एक अहम मुद्दा बनाया और असॉल्ट–स्टाइल हथियारों पर बैन लगाने वाले कानून पर साइन करने का वादा किया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनका समर्थन किया था।

ट्रंप और रिपब्लिकन के लिए मायने

भले ही डोनाल्ड ट्रंप का नाम बैलेट पर नहीं था, लेकिन वर्जीनिया में इस डेमोक्रेटिक जीत को उनके दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल के लिए एक जनमत संग्रह के तौर पर देखा जा रहा है। वर्जीनिया पेंटागन और कई फेडरल वर्कर्स का घर है, जो ट्रंप की खर्च कटौती से प्रभावित हुए थे। ट्रंप के कैंपेन मैनेजर क्रिस लैसिविता ने सीधे तौर पर रिपब्लिकन उम्मीदवार की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि एक बुरे कैंडिडेट और बुरे कैंपेन के नतीजे होते हैं,वर्जीनिया गवर्नर्स की रेस इसका उदाहरण नंबर 1 है। कई विश्लेषकों का मानना छ्है कि यह जीत 2026 के मिडटर्म चुनावों का संकेत है, जहां डेमोक्रेट्स के पास कांग्रेस में नियंत्रण वापस जीतने के मौके होंगे।

अमेरिका में भारतीय मूल का बजा डंका! न्यूयॉर्क मेयर बने ममदानी

सिनसिनाटी में पुरेवैल का जलवा, कई शहरों को मिले नए मेयर

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में मंगलवार को मेयर पद के लिए चुनाव हुए जिनमें लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नेता को चुना लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में देखने को मिला जिसमें भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने विजयी होकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े। वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। उनकी प्रचार टीम ने कहा था, ''जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।'' युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। उनका जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था और सात साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क सिटी आ गए थे। ममदानी 2018 में ही अमेरिकी नागरिक बने थे। ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के लिए भी मंगलवार को चुनाव हुए जिनमें डेमोक्रेट आफताब पुरेवैल ने रिपब्लिकन उम्मीदवार कोरी बोमैन को शिकस्त दी और इस पद पर अपना वर्चस्व बरकरार रखा। कोरी बोमैन अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के सौतेले भाई हैं। पुरेवैल पहली बार 2021 में मेयर चुने गए थे। उन्होंने मई में सर्वदलीय नगरपालिका प्राइमरी में 80 प्रतिशत से ज़्यादा मतों से जीत हासिल की थी। मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने से पहले उन्होंने वकील के तौर पर सेवाएं दी थीं। जॉर्जिया राज्य की राजधानी अटलांटा के मेयर पद के लिए भी मंगलवार को चुनाव हुए जिसमें आंद्रे डिकेंस ने जीत हासिल की है। यह मेयर पद पर उनकी दूसरी जीत है। अटलांटा का मेयर पद दशकों से डेमोक्रेट्स के पास रहा है। डिकेंस ने तीन प्रतिद्वंद्वियों को हराकर 50 प्रतिशत से अधिक मतों के साथ यह पद जीता। वर्ष 2022 में पदभार ग्रहण करने से पहले, डिकेंस अटलांटा नगर परिषद में और एक तकनीक–आधारित गैर–लाभकारी संस्था के मुख्य विकास अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। पेनसिल्वेनिया राज्य के पिट्सबर्ग शहर के मेयर पद पर हुए चुनाव में डेमोक्रेट कोरी ओ कॉनर ने जीत हासिल की है। ओ कॉनर ने मंगलवार को रिपब्लिकन उम्मीदवार टोनी मोरेनो को हराकर पिट्सबर्ग के मेयर का चुनाव जीता। एलेघेनी काउंटी के नियंत्रक ओ कॉनर ने इस साल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक प्राइमरी में मौजूदा मेयर एड गेनी को हराया था। वह पिट्सबर्ग के पूर्व मेयर बॉब ओ कॉनर के बेटे हैं। वहीं, मैरी शेफ़ील्ड मिशिगन राज्य के डेट्रॉइट शहर की पहली महिला मेयर चुनी गई हैं।

अमेरिका के केंटकी में उड़ान भरते ही मालवाहक विमान क्रैश, 7 लोगों की मौत, 11 घायल

अमेरिका में मंगलवार शाम एक बड़ा हादसा हुआ जब केंटकी के लुइसविले से उड़ान भरते समय एक बड़ा यूपीएस मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 11 घायल हो गए। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने कहा कि यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। यह घटना मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शाम लगभग 5.15 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। विमान, जिसमें तीन लोग

सवार थे, होनोलूलू जा रहा था जब यह हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। संघीय उड्डयन प्रशासन ने पुष्टि की है कि दुर्घटना के बाद एक विस्फोट हुआ और भीषण आग लग गई जिससे आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। वीडियो में विमान के बाएँ पंख पर आग की लपटें और धुएँ का गुबार दिखाई दे रहा है। विमान दुर्घटनाग्रस्त होने और एक विशाल आग के गोले में तब्दील होने से पहले ज़मीन से थोड़ा ऊपर उठा। वीडियो में रनवे के अंत में एक इमारत की टूटी हुई छत के कुछ हिस्से भी दिखाई दे रहे हैं। लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया के ज़रिए यह जानकारी साझा की। लुइसविले के मेयर क्रेग ग्रीनबर्ग ने ॅस्ज़ल टीवी को बताया कि जोखिम बहुत ज़्यादा था क्योंकि मेरी समझ से विमान में लगभग 2,80,000 गैलन ईंधन था और इसलिए यह कई मायनों में चिंता का विषय है।

UPS हब लुइसविले में स्थित है

लुइसविले में न्वै का सबसे बड़ा पैकेज प्रोसेसिंग प्लांट है जिसमें हज़ारों कर्मचारी कार्यरत हैं। यह हब प्रतिदिन 300 से ज़्यादा उड़ानों का संचालन करता है और हर घंटे 4,00,000 से ज़्यादा पैकेजों की छंटाई करता है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में शामिल विमान 1991 में निर्मित मैकडॉनेल डगलस डक–11 मॉडल का था।

आश्रय स्थल आदेश बढ़ाया गया

दुर्घटना के बाद, हवाई अड्डे के उत्तर में ओहायो नदी तक के क्षेत्रों के लिए आश्रय स्थल परामर्श बढ़ा दिया गया। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने ग पर पोस्ट किया कि स्थिति स्पष्ट होने पर अपडेट दिए जाएँगे। बेशियर ने कहा, कृपया पायलटों, चालक दल और प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना करें।

विमान के बारे में जानें

जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान डक 11थ मॉडल का था। मूल रूप से इसका निर्माण मैकडॉनेल डगलस द्वारा किया गया था और बाद में इसका उत्पादन बोइंग द्वारा किया गया। यह विमान मुख्य रूप से कार्गो संचालन के लिए उपयोग किया जाता है और इसे यूपीएस, फेडेक्स और लुफ्थांसा कार्गो जैसी कंपनियां उड़ाती हैं। दुर्घटनाग्रस्त विमान 1991 में बनाया गया था।

विपक्ष का दावा– चुनाव बाद हिंसा में मारे गए सैकड़ों लोग, शव गुप्त तरीके से ठिकाने लगा रहे सुरक्षा बल

नैरोबी (तंजानिया)। तंजानिया में पिछले हफ्ते हुए आम चुनावों के बाद फैली हिंसा को लेकर मंगलवार को हालात और तनावपूर्ण हो गए। विपक्षी दलों ने दावा किया है कि सुरक्षाबलों ने विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के दौरान सैकड़ों लोगों की हत्या की और अब वे शवों को गुपचुप तरीके से ठिकाने लगा रहे हैं ताकि मौतों का वास्तविक आंकड़ा सामने न आ सके। देशभर में 29 अक्तूबर को हुए मतदान के बाद कई दिनों तक हिंसक प्रदर्शन हुए। ज्यादातर युवा सड़कों पर उतर आए और चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों का कहना है कि चुनाव लोकतांत्रिक मानकों पर खरे नहीं उतरे, क्योंकि विपक्ष के प्रमुख नेताओं को चुनाव लड़ने से रोका गया था। सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लागू कर दिया। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। विपक्षी दल चाडेमा का दावा है कि एक हजार से ज्यादा लोगों की जान गई है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबल शवों को रातों–रात गुप्त ठिकानों पर फेंक रहे हैं। सरकार ने अब तक इन आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

8

लखनऊ शुक्रवार, 07 नवम्बर 2025

पूरब के बाद अब पश्चिम में जमने के लिए मैदान में उतरी ये पार्टी, इस समीकरण पर फोकस, इन्हें साधने का प्लान

लखनऊसंवाददाता। बरेली से अपना दल–एस की सियासी रथयात्रा निकाली। अनुप्रिया पटेल पूरब के बाद अब पश्चिम में जमने के लिए मैदान में उतरीं हैं। ओबीसी समीकरण पर फोकस है। साथ ही पार्टी कुर्मी मतदाताओं के सहारे सियासी समीकरण साधने की तैयारी में जुटी है। पूर्वांचल की सियासत में अपनी मजबूत पैठ बना चुकी अपना दल–एस की निगाह अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर है। अपना दल–एस ने तीन दशक की अपनी सियासी यात्रा के समारोह के लिए बरेली को चुना। कुर्मी मतदाताओं वाले रुहेलखंड में पार्टी की आलाकमान अनुप्रिया पटेल और आशीष पटेल ने स्थापना दिवस समारोह के जरिये पार्टी के विस्तार का भी शंखनाद किया। समारोह में आए कार्यकर्ताओं के उत्साह को देख आशीष पटेल ने मंच से ही कहा भी कि बरेली में उमड़ी भीड़ पार्टी के लिए ऑक्सीजन का काम करेगी। उत्तर प्रदेश की सियासत का रुख काफी हद तक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के मतदाताओं के मिजाज पर निर्भर करता है। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में अपना दल ने दो विधायकों के सहारे प्रदेश में सियासी सफर शुरू किया था। 2017 के विधानसभा चुनाव में अपना दल के विधायकों की संख्या नौ हुई। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में अपना दल–एस के 13 विधायक, एक एमएलसी और एक सांसद हैं। इसके साथ ही लगातार तीन बार से सांसद अनुप्रिया पटेल प्रदेश में ओबीसी की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले कुर्मी समाज की सबसे बड़ी नेता बन चुकी हैं। कमेरा समाज की पार्टी कहलाने वाली अद–एस के बरेली में स्थापना दिवस को लेकर राजनीति के जानकारों का कहना है कि इसके पीछे की अहम वजह कुर्मी मतदाता हैं। बीते 36 वर्षों में पांच वर्ष को छोड़ दिया जाए तो कुर्मी मतदाताओं के बूते ही भाजपा ने बरेली लोकसभा क्षेत्र को अपना अजेय गढ़ बना रखा है। शफीक अहमद अंसारी अद–एस के सिंबल पर जीते 2023 में विधानसभा के उपचुनाव में बरेली के पड़ोसी जिले रामपुर के स्वार विधानसभा क्षेत्र से शफीक अहमद अंसारी को अद–एस के सिंबल पर जीत नसीब हुई थी। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव में पश्चिम के कुर्मी मतदाता बहुल इलाकों में सियासी समीकरण को देख–समझ कर अद–एस अपने प्रत्याशी उतारने की मांग भाजपा से कर सकती है। 2012 के विधानसभा चुनाव से अब तक के चुनावों में उत्तर प्रदेश में अपना दल का सफलता का प्रतिशत बढ़ता ही चला आया है। अपना दल के मतदाता मूलतरू कुर्मी समाज से हैं। बरेली में लंबे समय से कुर्मी समाज का राजनीतिक प्रतिनिधित्व है और मतदाताओं की भी अच्छी खासी संख्या है। इसे देखते हुए ही अपना दल ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में संगठन को विस्तार देने और राजनीतिक अवसर तलाशने के लिए स्थापना दिवस के समारोह के आयोजन के लिए बरेली को चुना। – प्रो. वंदना शर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज आने वाले प्रत्येक चुनाव के लिए आज से तैयारियों का आह्वान केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने पत्रकारों से कहा कि आने वाले प्रत्येक चुनाव के लिए आज से हमारी तैयारियों का आह्वान है। हमने इस धारणा को तोड़ा है कि हमारी पार्टी एक सीमित क्षेत्र तक ही है। उत्तर प्रदेश में पूर्व से लेकर पश्चिम और उत्तर से लेकर दक्षिण तक सभी जिलों में हमारा संगठन बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम केंद्र और राज्य की सरकार में गठबंधन में हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष के दल लोगों के बीच बेवजह भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। इससे कुछ बिगड़ने वाला नहीं है, बल्कि हमारी चुनावी प्रक्रिया और मजबूत होगी। कभी हम वोटकटवा कहे जाते थे, आज अपना दल यूपी की तीसरी बड़ी पार्टी अपना दल को कभी वोटकटवा कहा जाता था। डॉ. सोनेलाल पटेल की विचारधारा को मानने वाले उनके कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण और मेहनत की बदौलत आज हम उत्तर प्रदेश की तीसरी बड़ी पार्टी हैं। आज हम सभी यह संकल्प लेकर जाएं कि अपने बल से अपना दल को नंबर एक पार्टी बनाना है। हर पिछड़े, शोषित और वंचित की उम्मीद का दीया जलाना है। यह बातें केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को अर्बन हाट के हॉल में अपना दल–एस के स्थापना दिवस पर कहीं। अद–एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा कि 4 नवंबर 1995 को स्थापित अपना दल को आज 30 साल पूरे हुए। कार्यकर्ताओं के स्नेह ने एक छोटे पौधे को विशालकाय वृक्ष बना दिया। अपना दल ने हमेशा पिछड़े–वंचित समाज के दबे–कुचले लोगों की आवाज को बुलंद किया है। अब हम पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय की स्थापना कराने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उधर, अद–एस के उपाध्यक्ष और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि बरेली में उमड़ी भीड़ ने हमारे लिए ऑक्सीजन का काम किया है। जल्द ही पार्टी सभी जिलाध्यक्षों और प्रभारियों को लखनऊ बुलाएगी। अगला स्थापना दिवस किसी हॉल में नहीं बल्कि खुले मैदान में मनाया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन केके पटेल ने किया। अध्यक्षता अद–एस के प्रदेश अध्यक्ष जाटव आरपी गौतम ने की। आयोजन अद–एस के जिलाध्यक्ष एडवोकेट अनुज गंगवार के नेतृत्व में पार्टी की बरेली इकाई ने किया।

रोजाना 12 घंटे ड्यूटी पर मिलेगा तीन दिन वीकली ऑफ

लखनऊसंवाददाता। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक उत्पादन को गति देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कारखाना उत्तर प्रदेश संशोधन विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी है।यह विधेयक अब उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 14 सन् 2025 के रूप में 3 अक्टूबर 2025 से पूरे राज्य में प्रभावी हो गया है। इस संशोधन के तहत राज्य सरकार को अधिकार मिल गया है कि वह कारखानों में दैनिक कार्य अवधि को अधिकतम 12 घंटे तक निर्धारित कर सके, बशर्ते साप्ताहिक कुल कार्य अवधि 48 घंटे से अधिक न हो यानि हफ्ते में तीन दिन का अवकाश। पहले यह सीमा 8–10 घंटे प्रतिदिन तक ही सीमित थी जिसे अब लचीला बनाया गया है। महिलाएं भी रात की शिफ्ट कर सकेंगी। इसके लिए सुरक्षा मानक और परिवहन सुविधा अनिवार्य होगी। श्रम विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह संशोधन मुख्य रूप से उन उद्योगों के लिए राहत लेकर आया है जो सीजनल डिमांड या बड़ी ऑर्डर सप्लाई के दौरान अधिक उत्पादन करना चाहते हैं। अब फैक्ट्रियां तीन शिफ्टों में संचालित हो सकेंगी, जैसे 12 घंटे दिन की शिफ्ट 12 घंटे रात की शिफ्ट, लेकिन कुल हफ्ते में 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं होगा। इससे ओवरटाइम की जटिलता कम होगी और उत्पादन क्षमता में 20–25 फीसदी तक वृद्धि की संभावना है।सरकार का दावा है कि इस संशोधन से नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, खासकर एमएसएमई सेक्टर और एक्सपोर्ट ओरिएंटेड यूनिट्स में। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, कानपुर, आगरा और लखनऊ के औद्योगिक क्षेत्रों में पहले से ही कई कंपनियां 12 घंटे की शिफ्ट मांग रही थीं, लेकिन कानूनी बाध्यता के कारण ऐसा नहीं कर पाती थीं।ये इकाइयां अतिरिक्त मैनपावर रखकर उत्पादन बढ़ा सकेंगी।

भारत की आत्मा की आवाज है वंदे मातरम-भूपेंद्र

लखनऊसंवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि राष्ट्रगीत "वंदे मातरम" केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है। यह वह स्वर है जिसने गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारत को आजादी की राह दिखाई। जब–जब देश पर संकट आया, यह गीत हर भारतीय के हृदय में नई ऊर्जा, साहस और एकता का संचार करता रहा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी के सूबाई दफ्तर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि "वंदे मातरम" में केवल मातृभूमि की स्तुति नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति श्रद्धा, त्याग और समर्पण की भावना निहित है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत हर आंदोलन और बलिदान का प्रेरणास्रोत बना। आजाद भारत में भी इसकी प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है। यह गीत हमें स्मरण कराता है कि हमारा राष्ट्र केवल सीमाओं से नहीं बल्कि साझा संस्कृति, भावनाओं और कर्तव्यबोध से निर्मित हुआ है।उन्होंने बताया कि "वंदे मातरम" का सृजन वर्ष 1875 में श्री बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा किया गया था और इसका प्रथम वाचन वर्ष 1896 में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कोलकाता में किया था। वर्ष 1950 में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इसे राष्ट्रगीत का दर्जा प्रदान किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत राष्ट्रवाद, एकता और ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध का प्रतीक बना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर को "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी उत्सव मनाने का निर्णय लिया है। स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने भी इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर 7 नवम्बर को उत्तर प्रदेश के 18 स्थानों पर 150 कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक "वंदे मातरम" गायन एवं सभा का आयोजन किया जाएगा। 8 से 15 नवम्बर तक जिला मुख्यालयों पर सामूहिक गायन एवं सभाओं का आयोजन होगा। विधानसभा और मण्डल स्तर पर भी सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में कार्यक्रम होंगे, जिनमें आमजन की व्यापक सहभागिता की जाएगी। अभियान के तहत तिरंगा यात्राएँ।

अब रामलीला मैदान में पांच दिसंबर को होगी महारैली, तैयारियों के लिए नौ नवंबर को लखनऊ में बैठक

लखनऊसंवाददाता। महारैली की तैयारी के लिए नौ नवंबर को लखनऊ में सभी जिलाध्यक्ष व महामंत्री की बैठक होगी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ महारैली को सफल बनाने की तैयारी में जुटा है। प्राथमिक स्तर के सभी शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरोध में नौ राज्यों के संगठन टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) की रामलीला मैदान, दिल्ली में महारैली अब पांच दिसंबर को होगी। इस रैली की सफलता के लिए जिले–जिले में जनसंपर्क तेज करने के साथ ही नौ नवंबर को लखनऊ में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के सभी जिलाध्यक्ष व महामंत्री की बैठक भी आहूत की गई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष व टीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि पूर्व में 21 नवंबर को महारैली आहूत की गई थी। इसके लिए सभी प्रदेशों यूपी, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के शिक्षक संगठन जोर–शोर से अपने–अपने यहां संपर्क कर रहे हैं। साथ ही शिक्षक खुद ही इस महारैली में शिरकत करने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुवाणी संकीर्तन कार्यक्रम के कारण दिल्ली सरकार ने 21 नवंबर के आयोजन की अनुमति निरस्त कर दी है। इसकी वजह से रामलीला मैदान में होने वाली महारैली अब पांच दिसंबर को की जाएगी। इसकी तैयारी के लिए नौ नवंबर को लखनऊ में संघ के सभी जिलाध्यक्ष व महामंत्रियों की बैठक बुलाई गई है। इसमें उन्हें ज्यादा से ज्यादा संख्या में महारैली में शामिल होने के लिए निर्देश दिए जाएंगे। हमारा आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण होगा। सभी पदाधिकारियों को इसके लिए भी निर्देश दिए जाएंगे। डॉ.

शर्मा ने कहा कि हमारी मांग है कि 27 जुलाई 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखा जाए। इसके लिए सभी राज्यों के शिक्षक संगठन एकजुट होकर दिल्ली में अपनी बात रखेंगे। केंद्र सरकार व शिक्षा मंत्रालय द्वारा इसके लिए अब तक पहल न किया जाना आश्चर्य करने वाला है क्योंकि उत्तर प्रदेश समेत कई राज्य व कई शिक्षक संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में इसके लिए पुनर्विचार याचिका दाखिल कर रखी है। शिक्षा मंत्रालय इसमें पहल करे ताकि लाखों शिक्षकों की नौकरी सुरक्षित हो सके।

कैसी है नवाबों के शहर की हवा, ये इलाके पाए गए सबसे ज्यादा प्रदूषित, ऐसे तैयार हुई रिपोर्ट

लखनऊसंवाददाता। यूपी की राजधानी लखनऊ के कुछ इलाके ऐसे हैं जहां की हवा में प्रदूषण का स्तर बहुत ऊपर ाार जरूर दिखा है, लेकिन यह अब भी राष्ट्रीय मानकों से ऊपर है। भारतीय विष विज्ञान अनुसंध ाान संस्थान (आईआईटीआर) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, किया गया है। आईआईटीआर के निदेशक डॉ. भास्कर नारायण और डीआरडीओ के पूर्व निदेशक डॉ. डब्ल्यू. सेल्वमूर्ति ने मंगलवार को संस्थान के स्थापना दिवस रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (आरएसएसी) के मानसून विदाई के बाद के सर्वे के उन आंकड़ों के बेहद करीब है, जिस पर मंगलवार को में विशेष रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी। कुल नौ स्थानों पर किया गया अध्ययन सर्वे के तहत शहर के चार आवासीय क्षेत्र (अलीगंज, विकासनगर, इंदिरानगर, गोमतीनगर), चार व्यावसायिक क्षेत्र (चारबाग, आलमबाग, अमीनाबाद, चौक) और एक औद्योगिक क्षेत्र अमौसी की वायु गुणवत्ता का अध्ययन किया गया। आवासीय में गोमतीनगर, व्यावसायिक में आलमबाग, औद्योगिक में अमौसी सबसे प्रदूषित पाए गए हैं। ऐसे सामने आए आंकड़े गोमतीनगर (आवासीय) रू पीएम–10 का स्तर 104.5 माइक्रोग्रामध्घन मीटर, पीएम–2.5 63.6 माइक्रोग्रामध्घन मीटर।

है। इसमें से एक वीआईपी इलाका गोमती नगर भी शामिल है। राजधानी की हवा में पिछले साल की तुलना में सुध औद्योगिक क्षेत्र अमौसी, व्यावसायिक क्षेत्र आलमबाग और आवासीय क्षेत्र गोमतीनगर में सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण दर्ज पर पोस्ट मानसून वायु गुणवत्ता सर्वेक्षण की रिपोर्ट जारी की। खास बात ये है कि आईआईटीआर की ये रिपोर्ट

संक्षिप्त समाचार

पंजाब–तराई में सिखों का धर्मांतरण देखकर मुझे दुख होता है : सीएम योगी

लखनऊसंवाददाता। राजधानी लखनऊ में गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। ऐशबाग स्थित डीबी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने श्री दरबार साहिब में माथा टेका। प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि के लिए अरदास की। सभी को गुरु नानक जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व की बधाई दी। योगी आदित्यनाथ ने कहा ऐसा कौन से कारण है कि पंजाब और तराई के क्षेत्र में हमारे सिख बंधु धर्मांतरण कर रहे हैं। हमने बचपन में यह तो सुना था कि पंजाब में हर परिवार का सबसे बड़ा पुत्र सिख पंथ के लिए समर्पित होकर काम करता था। वही सीख बनता था। मैंने सिखों के धर्मांतरण की बात को सुना नहीं था, लेकिन आज उनके धर्मांतरण को देख रहा हूं मुझे दर्द होता है। हमें शक्ति से इस प्रकार की दुष्प्रवृत्ति को रोकना होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा लखनऊ के जितने भी सिख बंधु हैं मैं उनसे कहूंगा कि वह लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, रामपुर, शाहजहांपुर और उधम सिंह नगर में जाएं। वहां जाकर देखें। अगर कहीं कोई खामी है तो उसे दूर करें। सबको जोड़ें। सिख गुरुओं के आदेश को एकजुट होकर हमें अगर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना है, तो गुरु परंपरा के अनुसार अपने संस्था और संगठन को उतना ही मजबूत बनाना होगा। विदेशी आक्रांता हमारे यहां तभी सेंध लगाता है, जब हम में कोई खामी होती है। कहीं कोई खामी है, तो उसे दूर करें। उन लोगों को साथ लाएं।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने की यूपी सीएम से मुलाकात

लखनऊसंवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनन्द बोस ने बुधवार, 5 नवंबर 2025 को लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर वार्ता हुई। सूत्रों के अनुसार, यह एक औपचारिक मुलाकात थी, जिसमें राज्य से जुड़े विषयों एवं प्रशासनिक अनुभवों पर भी विचार–विमर्श हुआ।

आरटीओ ने बिना परमिट–ओवरलोड वाहन पकड़े

लखनऊसंवाददाता। राजधानी लखनऊ के किसान पथ पर बुधवार को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की टीम ने सुबह से ही चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सड़क पर गुजर रहे मालवाहक और निजी वाहनों की गहन जांच की गई। आरटीओ की यह कार्रवाई मुख्य रूप से उन वाहनों के खिलाफ थी जो ओवरलोड, बिना परमिट या ऊंचाई सीमा से अधिक माल लेकर चल रहे थे। अभियान के दौरान आरटीओ अधिकारियों ने दो ओवरलोड वाहनों को जब्त किया। एक वाहन को बिना वैध ा परमिट के संचालन करते हुए पकड़ा गया और मौके पर ही सीज कर लिया गया। इसके अलावा सात अन्य वाहनों पर ओवरहाइट, नंबर प्लेट पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट न होने और अन्य नियम उल्लंघनों के लिए चालान किया गया। अभियान के दौरान कई वाहनों की जांच की गई, जिससे किसान पथ पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई। आरटीओ टीम ने मौके पर मौजूद ड्राइवरों को आवश्यक दस्तावेज रखने और ओवरलोड से बचने की सख्त हिदायत दी। अधिकारियों ने कहा कि ओवरलोडिंग न सिर्फ वाहन की उम्र घटाती है बल्कि सड़क हादसों का भी बड़ा कारण बनती है। एआरटीओ प्रवर्तन राजीव बंसल ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना परमिट, ओवरलोड और ओवरहाइट वाहन सड़क पर खतरा पैदा करते हैं, इसलिए इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। आगे भी लखनऊ में ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे ताकि परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित हो और आमजन को सुरक्षित यातायात का माहौल मिल सके।

फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र से 25 लाख हड़पने वाले दंपती गिरफ्तार

लखनऊसंवाददाता। लखनऊ की हजरतगंज पुलिस ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र लगाकर बीमा का पैसा लेने वाले दंपती को गिरफ्तार किया है। दंपति ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बीमा कंपनी से 25 लाख रुपए हड़प लिया था। दंपती ने पति की मौत दिखाकर बीमा दावा पेश किया लेकिन कंपनी की अंदर की जांच में खुलासा हुआ कि पति जिंदा है। अवीवा इंडिया बीमा कंपनी के अधिकारी संदीप मधुकर ने 9 अक्टूबर 2025 को हजरतगंज थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि रवि शंकर नाम के व्यक्ति की 5 दिसंबर 2012 को 25 लाख रुपए की बीमा पॉलिसी जारी की गई थी। 9 अप्रैल 2023 को रवि शंकर की पत्नी केश कुमारी ने दावा किया कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है और बीमा के 25 लाख का दावा किया। कंपनी ने मृत्यु प्रमाणपत्र और अन्य कागजात के आधार पर 25 लाख रुपए एनईएफटी से केश कुमारी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। कुछ समय बाद कंपनी की आंतरिक जांच में पता चला कि रवि शंकर जीवित हैं और उनकी मौत का प्रमाणपत्र जाली है। इस पर उन्होंने हर जगह थाने में मुकदमा दर्ज कराया।पुलिस ने दोनों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की पहचान प्रगतिपुरम कॉलोनी, रातापुर रायबरेली रवि शंकर और उसकी पत्नी केश कुमारी के रूप में हुई। दोनों सेक्टर एफ–1, सीतापुर रोड जानकीपुरम लखनऊ में किराए के मकान में रहते थे। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह का कहना है कि दोनों ने मिलकर फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाकर बीमा कंपनी को धोखा दिया था। अब दोनों से यह जांच की जा रही है कि इस साजिश में और कौन–कौन शामिल था।

नाम बदलकर दोस्ती फिर ब्लैकमेल कर ठगा,छात्रा ने डीसीपी से की शिकायत

लखनऊसंवाददाता। राजधानी लखनऊ में एक छात्रा ने युवक पर नाम बदलकर दोस्ती करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि युवक ने झूठी पहचान बनाकर पहले दोस्ती की।

संरक्षक नागेन्द्र सिंह चौहान ,स्वामी प्रकाशक व मुद्रक फलक खान द्वारा साइ आफसेट प्रिन्टर्स 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे कैसरबाग से मुद्रत होकर 24/298 जय प्रकाश नगर नियर कल्याण भवन प्रयाग नारायण रोड, से प्रकाशित। सम्पादक जमील अहमद मो0 9236108786 Email: aagaaz.times@gmail.com

नोट : आगाज़ टाइम्स साप्ताहिक समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है प्रकाशित हुये लेख/समाचारों में ,विचार व्यक्तिगत रूप से लेखकों के है। इससे सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। किसी भी विवाद कि स्थिति उत्पन्न होने पर केवल न्यायालय ही मान्य होगा।